सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 202 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 06 मई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री ने तेरहवीं शताब्दी के प्राचीन शिव व हनुमान मंदिर के किए दर्शन

कवर्धा के फणिनागवंशी राजाओं द्वारा नागर शैली में निर्मित हैं मंदिर, छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में हैं धर्म और आस्था के प्राचीन चिन्ह

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सुशासन तिहार के अंतर्गत आज अपने आकस्मिक निरीक्षण के दूसरे दिन बेमेतरा जिले के ग्राम-सहसपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम सहसपुर में 13वीं- 14वीं शताब्दी में निर्मित भगवान शिव व हनुमान के प्राचीन मंदिर के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और

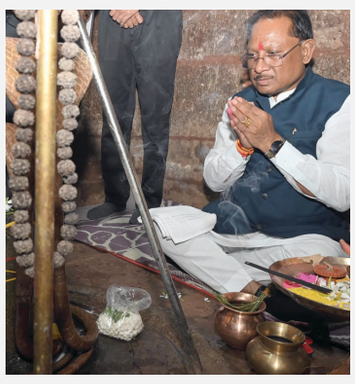

खुशहाली की कामना की।

उल्लेखनीय है कि ग्राम-सहसपुर में यह प्राचीन मंदिर कवर्धा के फणिनागवंशी राजाओं द्वारा नागर शैली में निर्मित किया गया था। गांव के सुरम्य वातावरण में स्थित यह मंदिर इस बात का जीवंत सबूत है की छत्तीसगढ़ की धरती में धर्म और आस्था के बीज बहुत पुराने हैं। ये मंदिर छत्तीसगढ़ की समृद्ध वास्तुकला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सोलह स्तम्भों पर टिका शिव मंदिर और आठ स्तम्भों का हनुमान मंदिर बहुत सुंदर प्रतीत होता है। आज भी इन मंदिरों का पुराना वैभव यथावत है। ये अपने कालखंड की एक निशानी के तौर पर मौजूद हैं और हमारी समृद्ध कला संस्कृति का भी परिचय देते हैं। मुख्यमंत्री साय ने आज अपने आकस्मिक दौरे से छत्तीसगढ़ के गांवों की आस्था के इस ऐतिहासिक पहलू को छुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय का राज्यों को निर्देश, कल 244 जिलों में होगी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत पाक के बीच युद्ध जैसे हालात दिख रहे हैं। ऐसे में केन्द्रीय मंत्रालय देश के नागरिकों को भी युद्ध की स्थिति में खुद को सुरक्षित करने हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। यह मॉक ड्रिल 7 मई को देश के 244 जिलों में होगी। इसका मकसद देश के लोगों को इमरजेंसी सिचुएशन के लिए तैयार करना है।

इस संबंध में केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को पत्र भेजा गया है। गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले के सायरन, आम जनता को सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) से जुड़ी ट्रेनिंग देना, ब्लैकआउट उपाय, जरूरी ठिकानों की कैमोफ्लाज (छिपाने की व्यवस्था) और एवैक्यूएशन (निकासी) प्लान का अभ्यास किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा भूराजनीतिक हालात में देश को कई नए और जटिल खतरों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हर समय पूरी तैयारी रखनी चाहिए।

1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान हुई थी ऐसी मॉकड्रिल

इससे पहले देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान हुई थी। 54 साल पहले 1971 में ऐसा मॉक ड्रिल हुआ था। भारत पाक के बीच उस समय बांग्लादेश को आजाद करने के लिए जंग लड़ा गया था। पूर्वी व पश्चिमी दोनों सीमाओं पर हुए इस युद्ध के बाद ही बांग्लादेश अलग से देश बना। उस युद्ध के दौरान समय नागरिकों की जान-माल को कम से कम नुकसान पहुंचे, इसके लिए ऐसा अभ्यास किया गया था।

इस मॉक ड्रिल में उठाए जाएंगे यह कदम

- हवाई हमले (एयर रेड) चेतावनी वाला सायरन बजाया जाएगा।
- आम नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षित किया जाएगा कि यदि हमला हो जाए, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित रखें।
- ब्लैकआउट यानी जरूरत पड़ने पर बिजली बंद कर दी जाए ताकि दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखाई दे।
- महत्वपूर्ण कारखानों और ठिकानों को छिपाने की व्यवस्था की जाएगी।
- निकासी योजना को अपडेट किया जाएगा और उसका अभ्यास (रिहर्सल) भी कराया जाएगा।

छात्र-छात्राओं को भी तैयार करने का निर्देश

केन्द्रीय गृहमंत्रालय के अनुसार 7 मई को देश के 244 चिन्हित जिलों में यह मॉक ड्रिल होगी, जो गांवों में भी की जाएगी। इस मॉकड्रिल का मकसद सिविल डिफेंस की तैयारी की जांच करना और बेहतर बनाना है। इस अभ्यास में जिला अधिकारी, सिविल डिफेंस वार्डन, होम गार्ड, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस, कॉलेज और स्कूल के छात्र भी भाग लेंगे। सरकार का कहना है कि यह मॉक ड्रिल विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों और आपसी तालमेल की जांच के लिए जरूरी है। सरकार ने आम नागरिकों के साथ स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भी इस मॉकड्रिल में शामिल करने का निर्देश दिया है।

लॉन्ग टर्म वीजा पर छत्तीसगढ़ में रह रहे पाकिस्तानियों को फिर से करना होगा आवेदन, 10 मई से खुलेगा पोर्टल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अलग अलग जिलों में लॉन्गटर्म वीजा पर रह रहे पाकिस्तानियों नागरिकों को फिर से नया आवेदन करना होगा। यहां रहने वाले विदेशी पाकिस्तानी नागरिक जो दीर्घ निवास वृध्दि आवेदन पत्र के आधार पर निवासरत हैं उन्हें तत्काल अपना नवीन आवेदन पत्र पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। दीर्घकालिक वीजा के लिए दोबारा आवेदन करने 10 मई से पोर्टल खुल जाएगा। ऐसे लोग भारत सरकार की वेबसाइट https://indian.frro.gov.in पर 10 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। किसी भी विदेशी पाकिस्तानी नागरिक का दीर्घकालिक वीजा जो उक्त अवधि में फिर से आवेदन करने में विफल रहता है वह रद्द कर दिया जाएगा।

विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 3(1) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं भारत सरकार गृह मंत्रालय विदेशी-01 प्रभाग के आदेश क्रमांक 25022/28/2025-F.1 दिनांक 28.04.2025 के तारतम्य में उक्त आदेश के तहत सभी दीर्घकालिक वीजा धारकों को उनके वीजा के निरीक्षण से छूट दी गई थी। उपरोक्त निर्णय पर सरकार द्वारा विचार किया गया और सरकार ने निर्णय लिया है कि ऐसे सभी पाकिस्तानी नागरिक जिनके पास दीर्घकालिक वीजा है और जिन्होंने भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं की है उन्हें दस्तावेजों के साथ ईएफआरआरओ (e-FRRO) पोर्टल (https://indian.frro.gov.in) पर नए सिरे से आवेदन करना होगा।

यह हैं जरुरी दास्तावेज

दीर्घकालिक वीजा प्रमाण पत्र की प्रति,नवीनतम फोटो (सफेद पृष्ठभूमि के साथ पासपोर्ट आकार का), नवीनतम पता की प्रमाणित प्रति,व्यवसाय एवं धर्म का विवरण,यदि भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया गया है तो आवेदन पत्र की एक प्रति पोर्टल पर उपलोड करना होगा। इसके माध्यम से यहां निवासरत समस्त विदेशी पाकिस्तानी नागरिक जो दीर्घ निवास वृध्दि आवेदन पत्र के आधार पर निवासरत हैं, वह तत्काल अपना नवीन आवेदन पत्र उपरोक्त पोर्टल के माध्यम से आवेदन करते हुए उसकी एक प्रति के साथ नजदीकी थानों में प्रस्तुत करना होगा।

छत्तीसगढ़ व्यापमं ने जारी किया मार्च 2026 तक का एग्जाम कैलेंडर, इन तिथियों में होंगी महत्वपूर्ण परीक्षाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा मार्च 2026 तक के लिए शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया गया है। जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार अगले वर्ष शुरुआती तीन माह में 6 भर्ती परीक्षाओं के अलावा एक पात्रता परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा अर्थात टेट का आयोजन एक फरवरी को होगा। जारी कैलेंडर में फिलहाल केवल संभावित परीक्षा तिथि का ही जिक्र किया गया है। आवेदन तिथि सहित अन्य शेड्यूल बाद में पृथक रूप से जारी होगा।

यह है परीक्षाओं का कार्यक्रम

- संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, छ.ग. फार्मासिस्ट ग्रेड-2 (अपरान्ह में) (31-08-2025)
- छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर रसायनश (11-01-2026)
- एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर छ.ग. शिक्षक पात्रता परीक्षा TET (01-02-2026)
- नया रायपुर, अटल नगर विकास प्राधिकरण NRDA उप अभियंता (सिविल/लो.स्वा.या) (08-02-2026)
- मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग, छ.ग. नवा रायपुर डी. टी. पी. ऑपरेटर एवं अन्य (समूह 3) (01-03-2026)
- मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग, छ.ग. नवा रायपुर मेकनिक कम इलेक्ट्रिशियन एवं अन्य (समूह 2) (08-03-2026)
- जल संसाधन विभाग, छ.ग. (WRD) सहायक मानचित्रकार (सिविल) (15-03-2026)
- छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर प्रयोगशाला सहायक ग्रेड-2 (22-03-2026)

दुर्ग में बॉयफ्रेंड के घरवालों ने किया शादी से इनकार, नाबालिग ने फांसी लगाकर दे दी जान

- दुर्ग के मोहन नगर थाने का घेराव करने पहुंचे परिजन, युवक को गिरफ्तार करने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के मोहन नगर थाने में मंगलवार को कुछ लोगों ने जमकर बवाल काटा। रायपुर नाका क्षेत्र में रहने वाली नाबालिग के फांसी लगाने के बाद यह पूरा मामला तूल पकड़ा। दरअसल नाबालिक का यहां के एक नाबालिक किशोर से प्रेम संबंध था और इसकी जानकारी घर वालों को लग गई थी। लड़की के घरवालों ने दोनों की

शादी की बात की लेकिन लड़के के घरवालों ने साफ मना कर दिया। इसके बाद से लड़की गुमशुम सी रहने लगी और सोमवार को उसने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग किशोरी व नाबालिग किशोर का प्रेम संबंध बताया जा रहा है। 27 अप्रैल को नाबालिग को लड़का अपने साथ लेकर गया और रात को वापस छोड़ा। लड़की के घरवालों ने इसके लिए नाबालिग को डांट लगाई। बाद में पता चला कि दोनों में प्रेम संबंध है। लड़की के घरवालों ने दोनों की शादी कराने का निर्णय लिया। इसके बाद लड़के के घरवालों से बात की। बालिग होने के बाद दोनों की शादी कराने की बात लड़की के घर वालों ने की।

बताया जा रहा है कि लड़की वालों की बात को लड़के वालों ने नहीं माना और शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद लड़की के घरवालों ने अपनी बेटी पर लड़के से खतरे का अंदेशा जताया और थाने में आवेदन भी दिया। घरवालों व आसपास के लोगों को लड़की के प्रेम संबंध की जानकारी लग गई इसे लेकर नाबालिग गुमशुम रहने लगी। बताया जा रहा है कि लड़की अपने प्रेमी के घरवालों द्वारा शादी से इनकार करने को लेकर भी काफी क्षुब्द रहने लगी।

घर में अकेली थी और कर ली आत्महत्या

परिजनों ने बताया कि सोमवार को लड़की घर पर अकेली थी। उसकी मां कहीं गई हुई थी इस दौरान लड़की ने खुद को कमरे में बंद किया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मंगलवार को परिजनों के साथ आसपास के लोग मोहन नगर थाना पहुंचे और लड़की की आत्महत्या के लिए उसी लड़के को जिम्मेदार ठहराया। परिजनों की मांग है कि लड़के को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

अब एक कॉल या व्हाट्सएप पर होगा शिकायतों का समाधान, 'समाधान सेल' की हुई शुरुआत

बलौदाबाजार-भाटापारा। आमजनों की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में 'समाधान सेल' की शुरुआत की गई है। इस पहल के तहत अब कोई भी व्यक्ति सिर्फ एक कॉल या व्हाट्सएप मैसेज के जरिए अपनी शिकायत या सूचना दर्ज करा सकता है। 'समाधान सेल' का विधिवत उद्घाटन पुलिस कम्युनिटी हॉल, बलौदाबाजार में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि आमजन और पुलिस के बीच सीधा संवाद स्थापित कर अपराधों की रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा सकती है। पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 पर कोई भी व्यक्ति 24 घंटे शिकायत दर्ज कर सकता है। इस

नंबर पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। 'समाधान सेल' द्वारा अपराध संबंधी शिकायतों का निराकरण 24 घंटे में जबकि सामान्य शिकायतों का समाधान 72 घंटे के भीतर किया जाएगा। इसके लिए विशेष टीम का गठन भी किया गया है जो लगातार शिकायतों की निगरानी और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने कहा कि आमजन से मिलने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर 'समाधान सेल' को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समय-समय पर नई कार्ययोजनाएं भी तैयार की जाएंगी। यह पहल पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे अपराधों पर नियंत्रण के साथ-साथ जनता को त्वरित न्याय मिल सकेगा।

आस्था, मानवता और तक4 का रिश्ता

श्रीकंचनपथ

सृष्टि हमेशा परिवर्तनशील रही है और रहेगी। धरती का नक्शा भी लगातार बदलता रहता है। अलबत्ता इसकी गति इतनी धीमी है कि एक या दो पीढ़ी इसका आभास नहीं किया जा सकता। स्वयं ब्रह्मांड भी चलायमान है और उसमें भी लगातार परिवर्तन होते रहते हैं। पर कुछ धर्म हैं जो एक-एक ग्रंथ को पकड़कर बैठ गए हैं और उसी में खोए रहना चाहते हैं। और यही समस्या की जड़ है। कोई भी ग्रंथ समय सापेक्ष होता है। समय के साथ उसमें बदलाव होने ही चाहिए क्योंकि दुनिया बदल चुकी होती है। परिवेश बदल चुका होता है, लोग और उनकी सोच बदल चुकी होती है। पिछले सौ साल का ही इतिहास देख लें तो पाएंगे कि बहुत से रस्म रिवाज बदल गए हैं और परिवर्तन का यह दौर अभी रुका नहीं है। पर इस्लामी कट्टरपंथी परिवर्तन के खिलाफहैं। प्रसिद्ध बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने इस मुद्दे को एक बार फिर उठाकर खलबली मचा दी है। अपने तेवरों और लेखनी के कारण बांग्लादेश से निर्वासित तसलीमा ने कहा कि पिछले 1400 सालों में इस्लाम का कोई विकास नहीं हो पाया। वह समय के साथ बदल नहीं पाया। जब तक इस्लाम खुद को विकसित नहीं करेगा, तब तक वह आतंकवादियों को जन्म देता रहेगा। पहलगाम आतंकी हमले और ढाका में 2016 के आतंकी हमले के बीच समानताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां हिन्दू पूछकर मारा तो ढाका में जो लोग कलमा नहीं पढ़ पाए, उनका कत्ल कर दिया गया। जब-जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तब-तब यही होता है। तसलीमा कहती हैं कि यूरोप में चर्च संग्रहालयों में बदल गए, लेकिन मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त हैं। हजारों मस्जिदें हैं और वे और भी मस्जिदें बनाना चाहते हैं। वे जिहादी पैदा करते हैं। मुसलिम परिवारों के बच्चों की शिक्षा को लेकर वे कहती हैं कि मदरसे नहीं होने चाहिए। सभी बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। सिर्फ धार्मिक किताब से काम नहीं चलेगा। फिलहाल तो भारत में हिन्दू और मुसलमान दोनों ही इस होड़ में शामिल दिखाई देते हैं। कोई मंदिर बनवाने में लगा है तो कोई मस्जिद बनवाने में। विश्व के चोटी के शैक्षणिक संस्थानों में एक भी भारतीय संस्थान नहीं है। अब कहीं विकास की बातें नहीं होती-केवल आस्था की बातें होती हैं। लोग पीछे की ओर लौटना चाहते हैं। यह भी एक तरह का पलायनवाद है। जब राजनीति को बढ़ती आबादी और उसकी समस्याओं का हल नहीं सूझा तो उसने पुराने रिकार्ड बजाने शुरू कर दिये। आस्था का यह पागलपन अब सिर चढ़कर बोल रहा है। अब वो नहीं पूछता की नौकरियां कब मिलेंगी? हर ठेके के पीछे एक ही चेहरा क्यों है? हाहाकारी महंगाई से कब बेचारी जनता का पीछा छूटेगा? वह तो खुश है कि देश सनातन की ओर लौट रहा है। एक बार फिर यहां राजा होंगे, राजा के जमींदार और उनके लठैत होंगे।

संपादकीय

जिसने बनवाया, जिसने बनाया उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं

राजनीति में पार्षद हो, विधायक हों वह सफल तब ही माने जातें हैं जब अपने इलाके में ज्यादा से ज्यादा काम करवाते हैं,ऐसे काम करवाते हैं जिससे लोगों को सुविधा होती है,लोगों को राहत मिलती है। विधायक के करवाए काम से लोगों को सुविधा होती है,लोगों को फायदा होता है तो विधायक की वाहवाही भी होती है, तारीफ होती है कि देखो तो इस विधायक तो जनता की कितनी परवाह है। जनता के सुख दुख की कितनी फिक्र है। जनता के प्रति कितना संवेदनशील है, जनता को परेशानी होती है तो विधायक उस परेशानी को महसूस करता है और उस परेशानी को कैसे दूर किया जा सकता है, सोचता है और परेशानी को दूर करने का प्रयास भी करता है। उसके आसपास सलाहकार भी होते हैं जो बताते रहते हैं कि आपको ऐसा काम करना चाहिए जो इससे पहले किसी विधायक ने न किया हो।

> *सीएम हो, विधायक हो उनके सलाहकार होते है और वह मुफ्त में तो सलाह नहीं देते हैं। वह ऐसा काम कराने को कहते है जिससे विधायक का नाम हो और उनको काम मिले, कमाने का मौका मिले। हो सकता हो कि पूर्व विधायक या विधायकों को उनके सलाहकारों ने यह सलाह दी हो कि हर बड़े चौक-चौराहों पर जनता को धूप, बारिश में ट्रैफिक सिगनल के कारण एक दो मिनट रुकना पड़ता है।ऐसे में उनको कितनी परेशानी होती है। क्यों न उनकी परेशानी खत्म करने के लिए हर सिगनल पर शेड बनवाया जाए।*

शेड बन जाने पर लोगों का धूप व बारिश में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।शेड वह भी मजबूत लोहे का शेड मुफ्त में बनता नहीं है, खर्च करने के लिए पैसा चाहिए तो विधायक निधि है न, यह पैसा तो सरकार विधायक को अपने क्षेत्र में जनता की सुख सुविधा के लिए खर्च करने के लिए देती है। किसी विधायक या कुछ विधायकों ने अपने क्षेत्र की जनता की सुविधा के लिए चौक चौराहों पर लाखों का शेड बनवा दिया तो क्या बुरा किया।

जब बनवाया गया और बनाया गया तब तो सभी ने विधायक की वाहवाही की कि देखो विधायक ने कितना अच्छा काम किया है।आज तक किसी विधायक ने जनता की सुख सुविधा के लिए ऐसा काम नहीं किया है। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह काम जो करवाया गया है, उससे जनता को नुकसान भी हो सकता है। भविष्य में किसी की जान भी शेड के गिरने से जा सकती है। पैसा विधायक का हो या पार्षद का हो,वह तो होता है खर्च करने के लिए ही। पैसा काम करने वाले को दिया जाता है, काम करने वाला विधायक का ही करीबी हो तो कोई अपराध थोड़ी न है। जान पहचान के आदमी से काम इसलिए करवाया जाता है कि वह अच्छा काम करेगा। विधायक के तो सब अपने होते हैं। बहुत सारे काम करने व करवाने होते है। सब विधायक के कहने पर जनता की सुविधा के लिए काम करते हैं। इसके एवज में वह भी कुछ पैसे कमा लेते हैं तो यह तो अपराध थोड़ी न होता है।

अपनी पार्टी सत्ता में होती है, अपना आदमी विधायक होता है तो ही जनता के लिए काम करने का मौका मिलता है, कमाने का मौका मिलता है। चौक-चौराहों पर शेड बनाते वक्त किसी ने नहीं सोचा यह काम वैध है या अवैध है, यह काम करवाना चाहिए या नहीं। सरकार अपनी पार्टी की है, विधायक ने चाहा तो उसका करवाया हर काम वैध हो जाता है। सो वैध समझकर शेड बना दिया गया। लोगों ने मान लिया कि विधायक ने बनवाया है और लोहे का है तो शेड मजबूत ही होगा। मजबूत शेड के नीचे शहर के लोगों को धूप व बारिश में राहत मिलती रही किसी ने सोचा नहीं कि यह गिर सकता है, क्योंकि गिरने की कोई वजह लोग सोच नहीं पाए। किसी न नहीं सोचा कि तेज हवा में यह शेड गिर सकता है। किसीका याद नहीं था कि 14 साल पहले 70 किमी प्रति घंटे की आंधी आई थी और 2025 के मई में फिर आ सकती है और किसी को पता नहीं था इतनी तेज आंधी में यह मजबूत शेड गिर सकता है।पता रहता तो लोग शेड के नीचे थोड़ी ने खड़े होते। शहर के लोगों को यकीन था कि हमारे विधायक ने बनाया है इसलिए यह तो गिरने वाला शेड नहीं है। पर तेज आंधी में विधायक का बनवाया मजबूत लोहे का शेड गिर गया। यह तो अच्छा हुआ कुछ लोगों को नुकसान हुआ लेकिन किसी की जान नहीं गई। एक पार्टी की सरकार में सड़क पर शेड बनता है और दूसरी पार्टी की सरकार के समय गिर जाए तो राजनीति तो जरूर होती है सो राजनीति शुरू हो गई।

शेड के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है इसलिए लोहे का शेड तेज आंधी में गिर गया। अब विधायक व उनके समर्थक कैसे मान सकते हैं कि उनके कराए काम में कोई भ्रष्टाचार हुआ है, वह कह रहे हैं कि शेड तो मजबूत था, वह तो आंधी तेज थी इसलिए गिर गया। तेज आंधी नहीं आती तो शेड नहीं गिरता। हमारा काम तो जनता की सुविधा के लिए मजबूत शेड बनवाना था, हमने मजबूत शेड बना दिया। इसके बाद शेड को मजबूत बनाए रखने के लिए उसकी जांच, मरम्मत का काम तो वर्तमान के विधायक का है। यानी शेड गिरा तो उसके लिए वर्तमान विधायक दोषी हैं। उन्होंने शेड की मजबूती की जांच क्यों नहीं करवाई । उन्होंने जांच करवाई होती तो पता चल जाता कि शेड कमजोर हो गया है, तेज हवा में गिर सकता है।नट बोल्ट ढीले हो गए हैं, इसलिए गिर सकता है।

शेड बनवाते वक्त एक दल का महापौर था और शेड के गिरते वक्त दूसरी महापौर हैं तो इस मामले में महापौर का कुछ कहना भी जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा है कि शहर के दस चौराहों पर ऐसे शेड लगे हैं,इन्हें कब लगाया गया, इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी, किनके कहने पर लगाया गया, इसकी जांच होनी चाहिए,पहले अफसरों को इन शेड की जांच करने के निर्देश दिए जाएंगे ताकि इस तरह की दुर्घटना दोबारा न हो। शहर के महापौर को इतनी चिंता तो होनी ही चाहिए कि एक शेड गिरा है, नौ शेड बचे हैं, वह न गिरे, किसी को नुकसान न हो।जांच के बाद पता चलेगा कि नौ शेड की हालत क्या है।बताया जाता है कि हर स्ट्रक्चर की एक लाइफ होती है, क्या इन स्ट्रक्चरों की लाइफ हो चुकी है। उन्हें मरम्मत की जरूरत है।

बनवाने में खर्च हुआ सो हुआ अब समय समय पर मरम्मत में भी खर्च होगा, सबसे बुरी बात यह है कि निगम हो सरकार कई काम वह करवा देती है लेकिन यह नहीं सोचती है कि भविष्य में इस पर मरम्मत आदि में खर्च होगा वह कौन करेगा। शहर में कभी सुंदरता के लिए फौवारा लगाया है, लोगों की सुविधा के लिए वाटर एटीएम लगाया जाता है, स्मार्ट शौचालय बनाए जाते हैं लेकिन सब रखरखाव के लिए खर्च की व्यवस्था न होने के कारण कबाड़ हो जाते हैं। सीएम आते हैं जाते हैं, महापौर आते हैं जाते हैं, सब नई व्यवस्था, नई सुविधा के नाम पर करोड़ो खर्च कर जाते हैं लेकिन इस बात की चिंता कोई नहीं करता है कि यह व्यवस्था, यह सुविधा हमेशा बनी रहनी चाहिए।

एक सरकार के समय की गई व्यवस्था या सुविधा दूसरी सरकार के समय वित्तीय बोझ हो जाती है। इसलिए कोई भी काम किसी सरकार के समय करवाया गया हो उस काम को करवाने व कराने वाले कि जिम्मेदारी होनी चाहिए वह गुणवत्तापूर्ण हो. लोगों को उसका लाभ एक तय समय तक मिलेगा। तय समय तक नहीं मिलता है तो उसकी सजा करवाने वाले व कराने वाले को मिलनी चाहिए। ऐसा होता नहीं है इसलिए एक विधायक के समय घटिया काम होता है और दूसरे विधायक को इसके लिए दोषी कहा जाता है।

पहलगाम आतंकी हमला की घटना से सदमे में घाटी के लोगों

हरिशंकर व्यास

कश्मीर घाटी और कश्मीरियों का बदलना आंखों देखा है। साक्षात आज सामने है! क्या किसी ने सपने में कभी सोचा कि पुराने श्रीनगर, डाउनटाऊन श्रीनगर में आतंकी घटना के विरोध में लोग दुकानें बंद रखेंगे! पर वैसा हुआ। कश्मीर में बंद रहा। लाल चौक में बंद और प्रदर्शन हुआ। घाटी में लोग यह खबर सुन सदमे में थे कि पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों को मारा है! खुद पहलगाम में अगले दिन मुख्य सड़क पर लोगों ने घटना के खिलाफ बड़ी संख्या में प्रर्दशन किया! कोई आश्चर्य नहीं जो कश्मीरियों की इस प्रतिक्रिया से वह संगठन भी घबरा गया, जिसने छूटते ही हमले की जिम्मेवारी ली थी।

घाटी से भाग कर आए पर्यटकों ने लाइव बताया है कि हमले के बाद कश्मीरियों, मुसलमानों ने उनकी हर संभव मदद की। इंसानियत दिखलाई। बेरूखी, नफरत की बजाय दुख, पीड़ा और हमदर्दी की संवेदना में माना कि बहुत बुरा हुआ! ऐसे ही श्रीनगर के अखबारों, मीडिया ने घटना की निंदा और भर्त्सना में कमी नहीं दिखाई। क्या यह धंधा चौपट होने के स्वार्थ में था? या प्रशासन-सरकार के दबाव में था? ऐसा यदि कुछ मानें भी तो पुराने श्रीनगर में दुकानों का शटडाउन होना, जामा मस्जिद में जुमे की नमाज में मीर वाइज का एक मिनट का मौन रखवाना और आतंकी हमले की भर्त्सना के क्या अर्थ हैं? मेरे लिए, शेष भारत के लिए यह सब अविश्नसनीय सा है।

दरअसल घाटी और घाटी के मुसलमानों की नीयत के साथ इस्लाम को ले कर हममें जैसी जो धारणा पैठी हुई है उसमें यह मानना, समझना आसान नहीं है कि जिंदगी की जरूरत भी जीना बदलवा सकती है। आबोहवा बदलवा सकती है। घाटी व कश्मीरियों का बड़ा सत्य यह अनुभव है जो अनुच्छेद 370 हटने के बाद उन्होंने कुछ नया फील किया। लोगों की मनोदशा में, नई पीढ़ी, लड़के-लड़कियों, महिलाओं और उस पीढ़ी ने यह महसूस किया कि कुछ भी हो, अमन से सुकून की जिंदगी है। अमन है तो जिंदगी न केवल सामान्य और सहज होती है, बल्कि कमाई चौतरफा बढ़ती है।

आबोहवा बदलती है। शहर बदलता है। श्रीनगर, स्मार्ट सिटी होता है। घाटी की पैदावार की बिक्री से लेकर शिक्षा, परिवहन सबमें बेहतरी मुमकिन है। पर्यटकों का सैलाब आ सकता है। रोजगार और कमाई के अवसर बढ़ सकते हैं। मेरा मानना है कि 1987 के धांधली वाले विधानसभा चुनावों से घाटी की बरबादी के शुरू सफर से बनी कश्मीरी इमेज में नया मोड़ बनवाने वाली तारीख पांच अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 का हटना था। अब दूसरा मोड़ 22 अप्रैल 2025 को कश्मीरियों की प्रतिक्रिया का है। पहलगाम की घटना ने कश्मीरियों में जुगुप्सा, आतंकियों के प्रति तटस्थता, नाराजगी या गुस्सा या असहमति कुछ भी बनाई हो वह अनहोनी बात है। और इसे गहराई से समझने की जरूरत है। उसी अनुसार सरकार और प्रशासन को घाटी में लोगों को संभालना, हैंडल करना चाहिए।

पाकिस्तान से हमारी दुश्मनी, हिंदू बनाम मुस्लिम की राजनीति अपनी जगह चाहे जो पाले रखें लेकिन इसके तनाव और लड़ाई में घाटी की जमीनी मनोदशा को न समझना, उसकी केयर न करना, उसे पाकिस्तानी मनोदशा का मानना ढाक में तीन पात वाली स्थिति लौटाने वाली गलती होगी। बेसिक दिक्कत मेरे, आपके और शेष भारत की घाटी और कश्मीरियों के प्रति बनी हुई धारणा और दिमाग में पैठी इमेज की है। यह अविश्वास है कि न कश्मीर बदला है और न कश्मीरी बदल सकते हैं। और अविश्वास का ताजा, खतरनाक बिंदु तब दिखा जब गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में सुरक्षा संबंधी बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को नहीं बैठाया! भला क्यों? क्या अब्दुल्ला और उनका परिवार भरोसेमंद नहीं है? क्या वे महज दिखावे के मुख्यमंत्री हैं? क्या वे आतंकियों के भेदिए, पाकिस्तानी एजेंट या अलगाववादी हैं?

स्वतंत्र भारत का दुर्भाग्य है, गंवारपने और मूर्खताओं की इंतहां है जो आईबी, रॉ जैसी खुफिया एजेंसियों से देश का प्रधानमंत्री हो या गृह मंत्री या गृह मंत्रालय के कश्मीर डेस्क के अफसर असुरक्षाओं में ऐसे जीते हैं कि एक आईबी चीफ बीएन मलिक ने पंडित नेहरू के कान भर कर शेख अब्दुल्ला को बरखास्त करवाया तो 1984 में आईबी चीफ एमके नारायणन ने फारूक अब्दुल्ला को बरखास्त करवाया। वही 2014 से मोदी सरकार को खुफिया प्रमुख अजित डोवाल घाटी के अब्दुल्ला और मेहबूबा को उसी निगाह, उसी समझ, उसी मनोवृत्त में समझाते हैं, जैसे उनके पूर्ववर्ती एमके नारायणन या बीएन मलिक समझाते थे।

दूसरे शब्दों में 1947 में भारत ने घाटी में जितने प्रयोग (सोचें, वीपी सिंह के समय मुफ्ती मोहम्मद देश के गृह मंत्री थे तो अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उमर अब्दुल्ला केंद्रीय मंत्री) किए हैं उस सबके अंत में ऐसी की तैसी दिल्ली की खुफियाई एजेंसियों द्वारा सत्तावान नेताओं के कान भरने, नेताओं को असुरक्षित बनाने, उनमें अविश्वास बनवाने तथा जमीनी लापरवाही व ढिलाई से बरबाद हुए हैं। बेसिक बात है कि अगस्त 2019 के बाद घाटी में वह हुआ जो घाटी के लोगों ने पर्यटकों को नए-नए इलाकों में घूमाने का सिलसिला बनवाया। एक जानकार के अनुसार पर्यटकों के सैलाब से पहलगाम इलाके में चार सौ नई प्रॉपर्टी का निर्माण हो रहा है! भीड़ के कारण ही टूरिस्ट ऑपरेटरों या होटल वालों ने पहलगाम के अगल-बगल की छोटी घाटियों में पर्यटकों को घुमाना शुरू किया। क्या यह बात आईबी, रॉ, सेना, बीएसएफ, पुलिस या तमाम खुफिया एजेंसियों को नहीं जाना हुआ होना था? पर किसी को पता नहीं था! और आतंकी मजे से बैसरन घाटी में आए और पर्यटकों को मारा।

मेरा मानना है कि शेष भारत के पर्यटकों को समझ आया कि कश्मीर बदल गया है, घूमने लायक हो गया है। एयरलाइंस, होटल मालिकों, कश्मीरियों को भी समझ आया कि बदले कश्मीर के अवसरों को भुनाओ मगर भारत की खुफिया एजेंसियों को समझ नहीं आया! अफसरों को समझ नहीं आया कि कश्मीर नया होता हुआ है तो उसको नई जिम्मेवारी, नई समझदारी और नएपन के साथ संभाला जाए! ज्यादा चौकस हुआ जाए। पाकिस्तानी घुसपैठियों, आतंकियों पर अधिक सख्त नजर रहे!

नए कश्मीर की पहली निर्वाचित सरकार और प्रादेशिक पार्टियों को भरोसे में ले कर उन्हें मोटिविट करें ताकि वे अपने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क रखें। राजनीतिक कार्यकर्ताओं के नेटवर्क और प्रशासनिक कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों तथा उनके मुखबिरों से सूचना लेने-देने का नया तंत्र बने। कश्मीर को किसी भी तरह का कोई अप्रत्याशित सदमा नहीं लगना चाहिए। मगर ऐसी सोच ही नहीं थी। और मेरा मानना है कि वजह हमारा अविश्वास है कि न कश्मीरी बदल सकते हैं और न कश्मीर बदला है! आखिर क्यों कर ऐसा मेरा मानना है? दरअसल फरवरी में 'ब्लूम्सबरी' ने कश्मीर पर संभवतया पहली और अकेली एक भव्य कॉफी बुक 'रीइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीर- अ पिक्टोरियल जर्नी प्रकाशित की है।

इसका शीषर्क मेरे लिए और दिल्ली के आईआईसी अड्डे के अपने करीबी सुधीजनों के लिए भी सवाल पैदा करने वाला था। हमारा आशीष से सवाल था कि जो इलाका दशकों से हिंसा, भारत विरोध और खौफ की दिल-दिमाग में तस्वीर बनाए हुए है उसकी भला कैसे नई कल्पना कर सकते हैं? उसे कैसे बदला हुआ मानें? एक अंग्रेजीदां कला आलोचक ने अंग्रेजी में तल्खी से कहा, क्या बेहूदा बात, कश्मीर 'रीइमैजिनिंग' कैसे हो सकता है! वह तो खौफ में जीता हुआ है, दबिश में है। जोर-जबरदस्ती की दास्तां है!

यही देश और दिल्ली के बौद्धिकों, विदेशियों की भी आम राय है। तब विचार सकते हैं लुटियन दिल्ली की नौकरशाही में भी क्या बेसिक सोच होगी? जबकि आशीष की दलील है कि, 'मेरा बचपन, मेरी पढ़ाई उसी लाल चौक में हुई है जो खौफ का एपीसेंटर था! मैंने बम फूटते देखे हैं, बगल में आतंकियों द्वारा संपादक को गोली मारते देखा है।

और मैं फोटोग्राफर हूं तो मेरी आंखों देखी यादों में 2019 से पहले का लाल चौक है व घाटी है तो उसके बाद जो देखा है, जो शूट किया है वह मेरे लिए भी अकल्पनीय था और है। इसलिए तस्वीरें अब नया कश्मीर बताते हुए हैं तो वह मेरे लिए, सबके लिए 'रीइमैजिनिंग' ही है'! निश्चित ही इस कॉफी बुक में घाटी के जनजीवन, माहौल की नई फील के फोटो अद्भुत हैं। उनसे अपने आप विश्वास होता है कि घाटी कल्पना से अधिक नया हुआ है! सो उसे नजर लगनी ही थी। तभी आतंकियों ने पहली बार पर्यटकों को मारा! इसलिए 'रीइमैजिनिंग' और कॉफी बुक सुकून भरे अद्भुत कश्मीर का दस्तावेज है तो उसको अब कश्मीरियों के लाइव चेहरे से जुबां भी मिलती हुई है। आतंकी घटना के बाद लाल चौक, श्रीनगर और घाटी में लोगों के लाइव चेहरों से अपने आप अहसास होता हुआ है कि वे पहलगाम की घटना से सदमे में हैं, हताश और निराश हैं।

आशीष ने अपनी कॉफी बुक में पर्यटन, जनजीवन, हैंडिक्राफ्ट, खेती, विकास और लोगों की बेफिक्री को नए कश्मीर की मौजमस्ती में जैसा-जो शूट किया है उसका साक्ष्य यह जरूरत व डर पैदा करता हुआ है कि कही वे दिन फिर न लौट आएं जब श्रीनगर, लाल चौक और घाटी की तस्वीरें भूतहा थी। सभी जी रहे थे खौफ की जिंदगी और वीराना!

हमले का निर्णायक रूप से जवाब दे सरकार

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछ कर नरसंहार की जो घटना हुई है वह एक गंभीर खतरे का संकेत है। इस खतरे के छोटे छोटे संकेत पहले से मिल रहे थे। पिछले कुछ समय से राज्य में लक्षित हमले बढ़े हैं। बाहरी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। मजदूरों पर हमले हो रहे हैं। इससे पहले आमतौर पर कहा जाता था कि बाहरी लोग या पर्यटक स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं इसलिए आतंकवादी उन पर हमला नहीं करते हैं। उनको लगता है कि पर्यटकों पर हमले से स्थानीय लोग नाराज होंगे, जिससे उनका समर्थन घटेगा। स्थानीय लोगों के समर्थन के बगैर आतंकवादियों का टिकना मुश्किल है।

तभी सवाल है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला नहीं करने के अघोषित नियम को क्यों तोड़ा है? क्या अब उनको स्थानीय लोगों के समर्थन की जरुरत नहीं है या स्थानीय लोग भी छोटे छोटे आर्थिक लाभ की बजाय किसी बड़ी योजना के लिए इस तरह की कार्रवाई को जरूरी समझने लगे हैं और मूक समर्थन दे रहे हैं? जो हो इसे नए दौर की शुरुआत मान सकते हैं। यह भी मानना चाहिए कि यह अनायास नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि अचानक एक दिन लश्कर ए तैयबा ने फैसला किया कि स्थानीय लोग चाहे जो सोचें, अब पर्यटकों पर हमला करना है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने वाले सिस्टम को नष्ट करना है। यह किसी बड़ी और सोची समझी योजना का हिस्सा है, जिसका इशारा पिछले दिनों पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने किया था। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम के दो अलग अलग राष्ट्र होने की बात कही थी। उसमें उन्होंने दोनों की रहन सहन, खानपान आदि की विभिन्नता के साथ साथ दोनों की महत्वाकांक्षाएं अलग होने की बात भी कही थी। उन्होंने मुस्लिम समाज की अलग महत्वाकांक्षा की बात नए दौर की नई रणनीति के तहत की है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख के इशारे को समझ कर भारत की खुफिया एजेंसियों को अलर्ट हो जाना चाहिए था। अगर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट होतीं तो इस घटना को टाला जा सकता था। यह हैरानी की बात है कि लश्कर ए तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट की ओर से बाहरी लोगों पर लक्षित हमले हो रहे हैं लेकिन यह संगठन बड़ा हमला कर सकता है इसका अंदाजा नहीं लगाया गया। यह भी तथ्य सुरक्षा बलों को पता है कि पहले 90 फीसदी आतंकवादी स्थानीय होते थे, जो पर्यटकों पर हमले नहीं करते थे या लक्षित हमले नहीं करते थे, लेकिन अब ज्यादातर आतंकवादी बाहरी हैं, जिनके लिए स्थानीय लोगों की भावनाएं बहुत मैटर नहीं करती हैं। ऊपर से पाकिस्तान के सेना प्रमुख की भड़काऊ बातें। इन सब के बावजूद सारी चीजें रूटीन के अंदाज में हो रही थीं। हालांकि यह सवाल उठ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 19 अप्रैल का कश्मीर दौरा क्यों टला था? उनको जम्मू से श्रीनगर की ट्रेन को हरी झंडी दिखानी थी लेकिन ऐन मौके पर कहा गया कि खराब मौसम की चेतावनी के कारण उनकी यात्रा टाल दी गई है। हालांकि पिछले पांच दिन में बहुत खराब मौसम की कोई सूचना नहीं है। सो, क्या किसी खुफिया सूचना के आधार पर यात्रा टाली गई थी? अगर आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर कोई सूचना थी तो उस हिसाब से सुरक्षा बलों की तैनाती क्यों नहीं की गई थी? पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी अतिरिक्त बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे?

ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद

ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। ये वाजिब सवाल होगा कि कनाडा के चुनाव नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ जनादेश कैसे कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई थी कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। दरअसल, ट्रुडो को नेतृत्व छोड़ना ही इसलिए पड़ा, क्योंकि पार्टी अपने को सियासी संकट में पा रही थी। मगर ट्रंप के ह्वाइट हाउस में प्रवेश के साथ कनाडा की राजनीति ने करवट लेना शुरू किया। पिछले साल के आखिर तक अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखे जा रहे कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पॉलिवर ने अपनी छवि कनाडा के ट्रंप के रूप बना रखी थी। ट्रंप जैसी नीतियों के जरिए कनाडा के आर्थिक संकट को दूर करने का उनका वादा काम करता दिख रहा था। लेकिन जब असली ट्रंप का आक्रामक रूप दुनिया के सामने आया, जिसकी चपेट में कनाडा भी आ गया, तो वहां के लोगों में विपरीत प्रतिक्रिया होना लाजिमी ही था। पॉलिवर ने नए माहौल में ट्रंप विरोधी तेवर अपनाए, कनाडा की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन तब तक माहौल बदल चुका था। अब साफ है कि मतदाताओं ने ट्रंप के हमलों से कनाडा की रक्षा करने के लिहाज से लिबरल पार्टी के नए नेता मार्क कार्नी को अधिक सक्षम माना है। कार्नी ने अमेरिकी बैंक गोल्डमैन शैक्स से करियर शुरू किया और बैंक ऑफ कनाडा तथा बैंक ऑफ इंग्लैंड के गर्वनर रह चुके हैं। नव-उदारवाद और मुक्त व्यापार के पैरोकार हैं। राजनीति में आने के बाद से आर्थिक नीतियों में नैतिक मूल्यों को भी स्थान देने की वकालत उन्होंने की है। बहरहाल, उनके सामने चुनौतियां बेहद गंभीर हैं। एक तो ट्रुडो शासनकाल में पैदा हुई समस्याएं हैं और ऊपर से ट्रंप की नीतियों से पेश आईं चुनौतियां हैं। फिलहाल, कनाडा में बना ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद उनकी ताकत बना है, मगर अंततः लोग उनका आकलन समस्याओं के समाधान की कसौटी पर ही करेंगे।

सुशासन तिहार : सरकारी योजनाओं की स्वीकारोक्ति और लोकप्रियता पर जनता की मोहर

जितेन्द्र नागेश, संयुक्त संचालक

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुसार संवाद से समाधान तक सुशासन तिहार अभियान शुरू किया है। तीन चरणों में चलने वाले इस अभियान के पहले चरण में प्रदेश की जनता से उनकी समस्याओं, जरूरतों, शिकायतों से जुड़े आवेदन समाधान पेटियां लगाकर लिए गए हैं। दूसरे चरण में इन सभी आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया गया है और अब तीसरे चरण में आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी आवेदनकर्ताओं को दी जा रही है। इस पूरे तिहार का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण के साथ-साथ सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद कायम करना भी है। धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक आवेदन प्राप्त होने वाले पहले पांच जिलों में शामिल है।

बड़ी संख्या में आवेदनों के कारण सरकार के इस सुशासन तिहार के कुछ अलग मायने भी विश्लेषित हो रहे हैं। धमतरी जिले में इस अभियान के तहत सवा दो लाख से अधिक आवेदन मिले हैं। धमतरी जिले में कुल दो लाख 27 हजार 931 आवेदन मिले हैं, जिसमें से केवल चार हजार 601 आवेदन विभिन्न शिकायतों से संबंधित हैं और लगभग 98 प्रतिशत आवेदन सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की मांग वाले हैं। कई वरिष्ठ पत्रकारों, सेवानिवृत्त प्रशासकीय अधिकारियों ने भी बताया है कि इतनी बड़ी संख्या में जनता से सरकार के लिए आवेदन पहले कभी नहीं मिले हैं। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती सरकारें भी जनता तक पहुंचने के लिए लोक सम्पर्क अभियान, ग्राम सुराज अभियान, भेंट-मुलाकात कार्यक्रम जैसे कई तरीके अपना चुकीं हैं। इन अभियानों के दौरान भी जिले में इतने आवेदन नहीं मिले थे। जिला प्रशासन ने इन सभी मिले आवेदनों में से आज तक लगभग 98 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण कर लिया है। अब तक चार हजार 138 शिकायतों और दो लाख 18 हजार 673 मांगों वाले आवेदनों को मिलाकर धमतरी जिले में दो लाख 22 हजार 811 आवेदन निराकृत किए जा चुके हैं। आमतौर पर ज्यादा आवेदनों का मिलना सरकार के कामकाज के प्रति लोगों के असंतोष को दर्शाता है। परन्तु चालू सुशासन तिहार के दौरान धमतरी जिले में मिले दो लाख 27 हजार आवेदनों में से 98 प्रतिशत आवेदन सरकारी योजनाओं से लाभ दिलाने के लिए हैं। धमतरी जिले के निवासियों ने सवा दो लाख आवेदनों में से केवल साढ़े 4 हजार के करीब आवेदनों में अपनी शिकायतें सरकार तक पहुंचाई हैं। निश्चित ही नागरिकों की शिकायतों पर कार्रवाई करना राज्य सरकार का काम है और निर्धारित नियमों- प्रक्रियाओं का पालन करते हुए विष्णु देव सरकार इन सब पर यथोचित कार्रवाई भी करेगी।

विश्लेषण करीब सवा दो लाख आवेदनों में से 98 प्रतिशत मांग संबंधी आवेदनों पर टिका है। लोगों ने बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, आंगनबाड़ी की मंजूरी, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने, राशन कार्ड बनाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, कृषि यंत्रों की मांग, मातृ वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, श्रम कार्ड बनाने, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन, मछली पालन के लिए लोन दिलाने से लेकर लघु उद्यम स्थापित करने के लिए सुविधाएं और सहायता देने जैसी मांगों से जुड़े आवेदन सरकार को दिए हैं। शिकायत संबंधी आवेदनों की संख्या तुलनात्मक तौर से नगण्य हैं और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की मांग के 98 प्रतिशत आवेदन सरकार के कामकाज की कुछ अलग ही कहानी बयां कर रहे हैं। जिस तरह से पदभार संभालते ही विष्णु देव सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने का काम किया, उससे प्रदेश की जनता में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास तो बढ़ा ही है, अब ग्राम पंचायत, गांव स्तर तक विकास की आशा भी पूरी हो रही है। बड़ी संख्या में सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने वाले आवेदन इस बात का भी प्रमाण है कि विष्णु देव सरकार की सरकारी योजनाएं सही मायने में जनहितकारी हैं। आमजन इन योजनाओं को स्वीकार कर रहे हैं। योजनाएं तेजी से प्रदेशवासियों के बीच लोकप्रिय हो रहीं हैं। सुशासन तिहार में मिले आवेदनों से सरकार पर भी एक नए किस्म का प्रभाव दिखेगा। लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली, किसानों, गरीबों, श्रमिकों को आगे लाने वाली, महिलाओं-बुजुर्गों-युवाओं को रोजगार और सामाजिक न्याय से जोड़ने वाली और अच्छी तथा ज्यादा योजनाएं संचालित करने का संदेश सरकार को इस सुशासन तिहार ने दिया है। अब इन मिले आवेदनों का विश्लेषण शासन स्तर पर होगा। गांव से लेकर शहर तक सर्वांगीण विकास की योजनाएं बनेंगी। सामाजिक सुरक्षा से लेकर आर्थिक विकास तक स्वास्थ्य से लेकर पढ़ाई तक हर क्षेत्र में इन आवेदनों में मिली मांगों का प्रभाव परिलक्षित होगा। मुख्यमंत्री स्वयं ही तीसरे चरण में गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करेंगे। उनके फायदे के लिए बनने वाली योजनाओं के बारे में जानेंगे। उनकी तकलीफें और परेशानियों का यथासंभव मौके पर निराकरण भी होगा। मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जिलों में बैठक लेकर इस सुशासन तिहार में मिले आवेदनों को आधार बनाकर विकास की नई योजनाओं की शुरूआत भी कर सकते हैं।

केवल डेढ़ साल में ही विष्णु देव सरकार ने गांव-गरीब-किसान-युवा-आदिवासी-महिला-बच्चों- बुजुर्गों सहित समाज के हर वर्ग को फायदा पहुंचाने वाली योजनाएं चलाकर मोदी की लगभग 90 प्रतिशत गारंटियां पूरी कर ली हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार का जीरो टॉलरेंस, सूचना प्रौद्योगिकी, सेमी कंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में राज्य में रोजगार के मौके बनाने वाले फैसलों ने युवाओं को भी सरकार के समर्थन में खड़ा कर दिया है। छत्तीसगढ़ वासियों के मन में इस बात का विश्वास जगा है कि इस सरकार में योजनाएं और घोषणाएं कागजों तक सीमित नहीं होंगी, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू होंगी, अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाएंगी। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में अपना भरपूर योगदान देंगी। सबके विश्वास और साथ से सबके विकास की धारणा ऐसे प्रयासों से ही फलीभूत होगी।

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reastaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

विधिक विषयों के संबंध में दी गई विस्तृत जानकारी

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अध्यक्ष माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. प्रज्ञा पचौरी के कुशल मार्गदर्शन में विगत 01 मई 2025 को मनाए गए विश्व श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में पुलगांव चौक के समीप विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव तथा जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग के कुल 09 न्यायाधीशगण ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों तथा उनके संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस शिविर में नागरिकों को नालसा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 जैसे विभिन्न विधिक योजनाओं तथा श्रमिक विधियों, न्यूनतम मजदूरी सुरक्षित कार्यस्थल, श्रमिक कल्याण योजना, सामाजिक सुरक्षा की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त उपस्थित नागरिकों को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, मोटरयान अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, गुड टच-बैड टच, छ.ग.भू.रा. संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, परक्राम्य लिखत अधिनियम जैसे विधिक विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही उपस्थित गणमान्य नागरिकों को 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किये जाने की महत्ता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

झरना, देवकी, अमरीका, बुधियारिन के सपने हुए साकार

दुर्ग। सरकारी कर्मचारी ने उसे फोन कर बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनके घर की स्वीकृति हो गई है और पहली किस्त की राशि खाते में आ चुकी है, तो श्रीमती झरना कुछ पल तक कुछ कह ही नहीं सकीं और बस इतना कहा अब मेरा भी एक दिन पक्का घर होगा। झरना पिछले कई सालों से मिट्टी की झोपड़ी में अपने पति और बच्चों के साथ रह रही थीं। हर बरसात में दीवारें गिरने लगती थीं, छत टपकती थी, लेकिन आर्थिक हालत ऐसी नहीं थी कि खुद से कुछ कर पाएं। कई बार उम्मीद की लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस बार जब सुशासन तिहार के प्रथम चरण में आवेदन किया, तो किस्मत ने साथ दे दिया। गांव के सचिव और सरपंच ने उन्हें आवेदन भरने में मदद की थी और बार-बार आश्वासन दिया कि सरकार इस बार सच में गरीबों की सुनेगी। आज जब राशि आई, तो श्रीमती झरना को भरोसा हो गया कि सरकार की योजना सिर्फ कागज़ों में नहीं, जमीन पर उतर रही है। अण्डा गांव के अन्य महिला अमरीका बाई, देवकी जोशी, बुधियारिन को भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ग्राम अण्डा की सभी महिलाओं ने अपनी-अपनी खुशियां जाहिर की।

दुर्ग में समाधान शिविर का आगाज : सांसद विजय बघेल ने किया शुभारंभ

सरकार पर भरोसा ही समाधान की पहली सीढ़ी : सांसद बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में सुशासन तिहार-2025 के तृतीय चरण अंतर्गत 5 मई को समाधान शिविर का शुभारंभ सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में ग्राम अण्डा विकासखण्ड दुर्ग से हुआ। मुख्य अतिथि सांसद बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, संभाग आयुक्त सत्य नारायण राठौर, आईजी आरजी गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर छत्तीसगढ़ महतारी की तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर समाधान शिविर का शुभारंभ किया।

अण्डा समाधान शिविर में ग्राम पंचायत अछोटी, आलबरस, आमटी, अण्डा, भानपुरी, भरदा, चंदखुरी, चिंगरी, जंजगिरी, कोनारी, कुथरेल, मतवारी, निकुम, रिसामा एवं विनायकपुर से संबंधित 6722 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें मांग के 6579 और शिकायत के 143 आवेदन शामिल है जिसमें विभागों द्वारा सुशासन तिहार के द्वितीय चरण में 6345 मांग एवं 107 शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण किया गया।

आज समाधान शिविर के अवसर पर समस्त विभाग के अधिकारियों द्वारा आवेदकों को उनके आवेदन पर हुई कार्यवाही से अवगत कराया गया। इसी प्रकार जिले के धमधा विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम लिटिया में भी विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। मांग एवं शिकायत संबंधी 2168 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 2068 आवेदन निराकृत किए गए है। यहां पर भी अधिकारियों ने विभाग से संबंधित आवेदनों का द्वितीय चरण में निराकरण कर आज के इस समाधान शिविर में आवेदकों को अवगत कराया।

समाधान शिविरों का आयोजन नगरीय निकायों में भी किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ बीके दुबे, जिला नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, जनपद पंचायत सीईओ दुर्ग रूपेश कुमार ठाकुर, जनपद पंचायत सीईओ धमधा किरण कौशिक तथा समस्त विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित थे।

जनता की सेवा के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध

इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि शासन और प्रशासन आम जनता की सेवा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनता बिना किसी भय के अपनी समस्याएं सामने रख सकती है और इन शिविरों के माध्यम से उनकी मांगों और शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। सांसद श्री बघेल ने बताया कि सुशासन तिहार के प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों का अब तक 95 प्रतिशत से अधिक निराकरण किया जा चुका है, जो प्रशासन की तत्परता और पारदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से न केवल समस्याओं का समाधान हो रहा है, बल्कि विभागीय अधिकारियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आम नागरिकों को दी जा रही है, जिससे लोग योजनाओं से सीधे लाभान्वित हो सकें।

मांगों का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित हो : विधायक ललित

विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे छत्तीसगढ़ में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आम जनता की समस्याओं और मांगों का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। विधायक श्री चन्द्राकर ने कहा कि जनता से प्राप्त आवेदनों को तीन माध्यमों ऑनलाइन पोर्टल, शिविर में प्रत्यक्ष आवेदन और शिकायत डब्बों के जरिये एकत्र किया गया है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाना है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग को लाभ मिले।

प्रशासन को जनता के पास लाना उद्देश्य

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शासन और प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाना है, ताकि लोग बिना किसी परेशानी के घर बैठे अपनी शिकायतें और मांगें दर्ज करा सकें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की पहल पर इस अभियान की शुरुआत की गई है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता न हो। कलेक्टर ने बताया कि प्रथम चरण में 8 से 11 तारीख तक आवेदन एकत्र किए गए, जबकि द्वितीय चरण में इन्हें पोर्टल पर अपलोड कर विभागों द्वारा निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। जिन मांगों के लिए संसाधन और बजट उपलब्ध थे, उन पर तत्काल कार्यवाही की गई, जबकि अन्य मांगों के लिए बजट स्वीकृति की प्रतीक्षा की जा रही है।

पीएम आवास योजना के 452 आवेदन स्वीकृत

कलेक्टर ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 452 आवेदनों को स्वीकृति दी गई है, जबकि 65 पेंशन आवेदन भी स्वीकृत किए गए हैं। भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जांच जारी है और पोर्टल खुलते ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि यह एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके तहत जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जनता से जुड़े कार्यों में लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम का अतिक्रमण पर एक्शन दुकानदारों में मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम/बाजार राजस्व विभाग एवं अतिक्रमण विभाग टीम ने आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर मान होटल चौक से लेकर वापस हटरी बाजार क्षेत्र फूल मार्केट में अतिक्रमण हटाओ अभियान आज चौथा दिन भी जारी रहा। इस दौरान बाजार व राजस्व अधिकारी शुभम गोइर और अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार ने कार्रवाही के मौके पर दुकानदारों को दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। हटरी बाजार सडक़ किनारे रखें दुकानो के बाहर रखे 22 विज्ञापन बोर्ड को तोडा गया।साथ ही दुकान के बाहर समान सजाकर रखें सामग्री को जब्त किया गया। बोर्ड को जेसीबी की मदद से तोडक़र हटाया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे दुकानदारों में हडकंप मच गया। उन्होंने ने दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि दुकानदार दुकानों के सामने अतिक्रमण न करें। अगर कोई दुकानदार अतिक्रमण करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ चालान कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। हथठेले व सडक़ घेरकर पसरा लगाकर दुकानों के बाहर चबूतरा हटवाने की चेतावनी दी कि एक दिन का समय अगर वह सडक़ पर दिखाई देंगे तो कार्रवाई क जाएगी। जेसीबी से मान होटल व हटरी बाजार एवं फूल मार्केट पर अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया। इस मौके पर अतिक्रमण टीम मन्नी, धनेश, उमेश पात्रे व अतिक्रमण तोडूदस्ता टीम के कर्मचारीगण मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ मुहिम जोर पकड़ा है। सुगम यातायात एवं व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है। कार्रवाई के बाजार अधिकारी शुभम गोइर व अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार ने बताया कि मान होटल रोड भीड़ वाले इलाके में अवैध कब्जे से ट्रैफिक होता था जाम इसलिए कार्रवाही किया जा रहा है।

बाजार विभाग एवं अतिक्रमण तोडूदस्ता टीम के कर्मचारीगण मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ मुहिम जोर पकड़ा है। सुगम यातायात एवं व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है। मान होटल रोड भीड़ वाले इलाके में अवैध कब्जे से ट्रैफिक होता था जाम इसलिए कार्रवाही किया जा रहा हैशुभम एवं परमेश्वर बताया कि बाजार क्षेत्र व्यवसायिक क्षेत्र होने से वहां पर भारी संख्या वाहनों की आवाजाही होती रहती है. हमेशा भीड़ भाड़ वाले इस मार्ग पर बड़े-छोटे सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही दिनभर होती रहती है। इस कारण ट्रैफिक का दबाव रहता है, इस कारण वहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी। जिसके अलावा दुकानदारों द्वारा नाली के उपर अतिरिक्त निर्माण कर आने-जाने के लिए सीढ़ी, चबूतरा व सामान रखने के बनाया लिया था। दुकानों के सामने बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग होने से भी आवागन बाधित होता था। इस समय कार्रवाही कर अवैध निर्माण सीढ़ी, चबूतरा को ध्वस्त किया गया।

वायर रॉड मिल ने सेल एसईक्यूआर 550 डी का क्वाइल रूप में की सफल रोलिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की वायर रॉड मिल (डब्लूआरएम) ने उत्पाद विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 3 मई 2025 को 10 मिमी सेल एसईक्यूआर 550 डी को क्वाइल रूप में सफ्लतापूर्वक रोल किया। यह नया उत्पाद संयंत्र के उत्पाद पोर्टफोलियो में एक उल्लेखनीय वृद्धि है, जिससे विशेष रूप से निर्माण कार्यों में प्रयुक्त उच्च गुणवत्ता के इस्पात की मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि वायर रॉड मिल, जो इलेक्ट्रोड उद्योग के लिए इलेक्ट्रोड गुणवत्ता वाले वायर रॉड के उत्पादन के लिए जानी जाती है, साथ ही भूकंपरोधी (ईक्यूआर) एवं जंगरोधी (एचसीआर) श्रेणी के टीएमटी वायर रॉड भी बनाती है, अब सेल एसईक्यूआर वैरिएंट को भी अपने उत्पादों में शामिल कर चुकी है। इस विकासात्मक प्रयास के तहत 500 टन सेल एसईक्यूआरटीएमटी कॉएल्स का उत्पादन परीक्षण आदेश (ट्रायल ऑर्डर) के रूप में किया गया।

इस नई उत्पाद श्रृंखला के सफ्ल निष्पादन में संयंत्र के विभिन्न विभागों का सामूहिक सहयोग रहा। आरसीएल, इंस्ट्रुमेंटेशन, पीएलईएम, एसएमएस-3 और पीपीसी विभागों की टीमों ने वायर रॉड मिल के सहयोगियों के साथ समन्वय में कार्य करते हुए इस उपलब्धि को संभव बनाया।

मुख्य महाप्रबंधक एम.के. गोयल ने वायर रॉड मिल की टीम को इस नवाचारात्मक पहल के लिए बधाई दी तथा इस प्रयास में सहयोग देने वाले सभी विभागों के योगदान की सराहना की। उन्होंने टीमवर्क और अंतर्विभागीय समन्वय की भावना को इस सफ्लता की कुंजी बताया।

संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वायर रॉड मिल टीम और इसके नेतृत्व को इस नए उत्पाद के विकास में प्रदर्शित प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए प्रशंसा व्यक्त की है।

सिलिका रिडक्शन प्लांट के प्रदर्शन सुधार पर सेल-बीएसपी की दो दिवसीय कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की आयरन ओर कॉम्प्लेक्स-खानों द्वारा सिलिका रिडक्शन प्लांट (एसआरपी) की उत्पादकता एवं विष्वसनीयता में सुधार के उद्देश्य से 'प्रदर्शन सुधार कार्यशाला' का आयोजन 05 व 06 मई 2025 को भिलाई निवास में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक एस. मुखोपाध्याय द्वारा 05 मई 2025 को दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी.के. गिरी, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक जितेन्द्र सलूजा, मुख्य महाप्रबंधक अनुराग उपाध्याय एवं उन्मेश भारद्वाज, मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार, मुख्य महाप्रबंधक अनुपम बिष्ट, तथा अध्यक्ष एन.के. बंछोर भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में भिलाई इस्पात संयंत्र की माइन्स विभाग के महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ-साथ एनएमडीसी, एलएंडटी, आईआईएमटी (प्प्डज्), एनएमएल, वेसटेक इंजीनियरिंग, मेट्सो, वियर मिनरल्स, ज्योति पंप्स, एरीज़ तथा एबीबी जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित खनन एवं अभियांत्रिकी संगठनों से लगभग 50 प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। दो दिवसीय यह कार्यशाला संयंत्र के विभिन्न परिचालन सेक्शन्स में विशेष रूप से सिलिका रिडक्शन प्लांट एवं उससे जुड़ी उपयोगिताओं की दक्षता, विश्वसनीयता एवं लागत प्रभावशीलता को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। कार्यशाला में तकनीकी मूल्यांकन, समस्या समाधान सत्र, विक्रेताओं से संवाद एवं सामूहिक मंथन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। प्रतिभागी प्रतिनिधि अपने तकनीकी प्रस्तुतियों में सिलिका रिडक्शन प्लांट से जुड़ी दीर्घकालिक तकनीकी चुनौतियों और परिचालन सुधारों के लिए अपनी रणनीतियाँ प्रस्तुत कर रहे हैं।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एस. मुखोपाध्याय ने अपने संबोधन में संसाधनों के सतत उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, 'हमारे उत्पादन लक्ष्यों के साथ-साथ धरती माँ द्वारा प्रदत्त प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी हमारी जिम्मेदारी है। नई खदानें अनवरत खोलना व्यावहारिक नहीं है, अत: मौजूदा खदानों से अधिकतम निष्कर्षण आवश्यक है-और इसमें सिलिका रिडक्शन प्लांट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।' श्री मुखोपाध्याय ने यह भी कहा कि डिज़ाइनरों, सलाहकारों एवं विभिन्न हितधारकों के सहयोग से एस आर पी की स्थापना होने के बावजूद अब तक वांछित परिणामों की पूर्ण प्राप्ति नहीं हो सकी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला प्रक्रिया एवं उपकरणों में सुधार, विक्रेता-समन्वित अनुरक्षण व्यवस्था और उत्पादकता बढ़ाने हेतु संरचित कार्ययोजना हेतु दिशा प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम के आरम्भ में अपने स्वागत भाषण में बी.के. गिरी ने कहा कि इस्पात उत्पादन एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें लौह व अन्य अयस्क की गुणवत्ता एवं उसमें उपस्थित सिलिका तथा गैंग जैसी अवांछनीय अशुद्धियाँ गुणवत्ता एवं लागत को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा, 'राजहरा खदानों में कच्चे माल में सिलिका की मात्रा बढ़ने के कारण विभागीय रणनीति बनाना और उसे इस मंच के माध्यम से क्रियान्वित करना समय की मांग है।' उन्होंने वास्तविक परिणामों हेतु पायलट परियोजनाओं की पहचान एवं उन्हें क्रियान्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

भारतीय बौद्ध महासभा जिला ईकाई की हुई बैठक

रायपुर। भारतीय बौद्ध महासभा जिला ईकाई रायपुर की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम दिव. बीएस जागृत प्रदेश अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा छत्तीसगढ़ को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव भोजराज गौरखेड़े ने उनके कार्यकाल में किये गये कार्यों को बताया एवं एक कुशल नेतृत्व कर्ता की कमी हमेशा समाज में रहेगी । जी एस मेश्राम कोषाध्यक्ष जिला ईकाई द्वारा बताया दिव. जागृत ने अपने कानुनी ज्ञान का उपयोग समाज के लोगों की भलाई के लिए किया। बिम्बिसार जी ने समाज के लिए उनके समर्पण को याद किया। सुरेन्द्र गोंडाने, हितेश गायकवाड़, कार्तिक गायकवाड़ ने उनके कार्यकाल के समय को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की प्रकाश रामटेके जिला अध्यक्ष द्वारा उन्हें याद कर कहा उनके मार्गदर्शन एवं नेतृत्व से समाज को एक नई पहचान मिली । एड्वोकेट राष्ट्रपाल ने उनके व्यक्तित्व को याद किया।

इस बैठक एवं श्रद्धांजलि सभा में भारतीय बौद्ध महासभा एवं सभी वार्डों के गणमान्य उपस्थित थे। बैठक में बुद्ध पूर्णिमा मनाने हेतु आयोजन हेतु चर्चा रखी गई थी। जिसमें सभी सदस्यों के विचार विमर्श कर निम्न निर्णय लिये गये। 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा पर प्रात: 8 बजे गांधी उद्यान में बुद्ध प्रतिमा के पास सभी उपासक उपासिका उपस्थिति होंगे इसके पश्चात भंते जी धम्मदेशना का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम उपरांत 11 बजे शांति मार्च निकालकर आम्बेडकर चौक पर समापन किया जायेगा एवं महाबोधि आंदोलन पर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस बैठक एवं श्रद्धांजलि सभा में प्रणय सोनटक्के, हितेश गायकवाड़, अनिल बोरकर, सुनिल वान्दरे, कोमेन्द्रे रायकर, राहुल रामटेके, विनायक वरघट, केशव सिंगनापुरे, विक्की गौरे, प्रमोद रायकर, विकास गौरे, योगेश रावत, कमलेश रामटेके, राहुल वरके, विलास मेश्राम, बालकृष्ण गजभिए, संजय गजघाटे, शुशील मेश्राम, अरुण रामटेके, विजय चौहान, संत कुमार रामटेके, विनोद मेश्राम, हरिश रामटेके, महेश डोंगरे, मकरंद घोड़ेस्वार, भावेश परमार, सुधाकर गेडाम, एस आर फुलझेले, इत्यादि उपस्थित थे एवं अनेक वार्डों के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक का संचालन विजय गजघाटे महासचिव रायपुर ने किया।

कांग्रेस की 'संविधान बचाओ यात्रा' पर डिप्टी सीएम साव बोले- इन्हें कांग्रेस बचाओ यात्रा निकालनी चाहिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 8 मई को कांग्रेस संविधान बचाओ यात्रा निकालने जा रही है। हाल ही में यात्रा की तैयारी को लेकर नेताओं ने बिलासपुर में बैठक भी की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, देश में केंद्र सरकार संविधान को नुकसान पहुंचा रही है। इस वजह से संविधान यात्रा निकाली जाएगी। इसके जवाब में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, कांग्रेस हमेशा संविधान का उल्लंघन करती है। यह एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जो संविधान का दुरुपयोग करती है। अब जब सत्ता से बाहर है, तो उन्हें संविधान बचाने की याद आ रही है। जब समय पड़ता है, तो देश का विभाजन करते हैं। जब सत्ता से बाहर होते हैं, तो भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं। जब सत्ता में रहते हैं तो जाति जनगणना का विरोध करते हैं। सत्ता से बाहर आते हैं तो उसका समर्थन करते हैं। इसीलिए संविधान बचाओ की बजाय, इन्हें कांग्रेस बचाओ यात्रा निकालनी चाहिए।

परमात्मा को अपना दोस्त बनाकर उनसे मन की बातें करें-प्रियंका

सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करें यह हमारा कर्तव्य भी – भोई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प के तीसरे दिन यातायात नियमों की जानकारी देते हुए ट्रैफिक ट्रेनर टी. के. भोई ने कहा कि यातायात के सारे नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य है जिससे कि हम स्वयं सुरक्षित रहकर दूसरों की भी मदद कर सकेंगे। यह हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शार्ट कट के चक्कर में अपनी जान को जोखिम में नहीं डालना चाहिए।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही से होती है। यदि चालक अच्छा हो और वह यातायात नियमों का पालन करता हो तो दुर्घटनाओं की सम्भावना कम हो जाती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए हमें यातायात संकेतों का भी ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने विस्तार से बच्चों को 'प्रोजेक्टर' के माध्यम से यातायात संकेतों का परिचय दिया तथा उनका पालन करने की नसीहत दी। उन्होंने बतलाया कि यह संकेत संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में एक समान होते हैं। सड़क पार करने के लिए जेब्रा कासिंग का ही उपयोग करना चाहिए। इसी प्रकार आधी सड़क दाँयी ओर देखते हुए और शेष आधी सड़क बाँयी ओर देखते हुए पार करना चाहिए।

उन्होंने जानकारी दी कि पूरे विश्व में रोड एक्सीडेण्ट में सबसे ज्यादा लोग भारत में मारे जाते हैं। सड़क पर प्रतिवर्ष लगभग दो लाख लोग दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। लोगों की मृत्यु का पांचवा सबसे बड़ा कारण सड़क दुर्घटना है। मरने वालों में अस्सी प्रतिशत संख्या बच्चों और युवाओं की होती है।

समर कैम्प के दूसरे सत्र में भगवान के साथ सम्बन्ध विषय पर बोलते हुए राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने कहा कि परमात्मा को हम अपना सच्चा दोस्त बनाकर उनसे अपना सुख-दु:ख बाँटें। तनाव ग्रस्त होने पर उन्हें अपने मन की बातें कहकर हल्के हो जाएं। आप उन्हें पत्र भी लिख सकते हैं।

ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने बच्चों को बड़े ही सरल ढंग से परमात्मा का परिचय देते हुए बतलाया कि परमात्मा का कर्तव्यवाचक नाम शिव है जिसका अर्थ कल्याणकारी होता है। उनका रूप अतिसूक्ष्म ज्योतिबिन्दु स्वरूप और निवास स्थान परमधाम है। उनका कोई शारीरिक आकार नहीं है। इसीलिए उन्हें हम शरीर धारियों की तुलना में निराकार कहा जाता है। वह जन्म-मरण से न्यारे हैं। हमारे देश में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग भी उन्हीं की यादगार में बनाए गए हैं। पहले जमाने में शिवलिंग हीरे के बनाए जाते थे। ताकि पता चले कि ईश्वर ज्योतिस्वरूप है। ब्रह्माकुमारी प्रियंका दीदी ने बाद में राजयोग के माध्यम से परमात्मा से सम्बन्ध जोडने की विधि बतलाते हुए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी बच्चों को कराया। उन्होंने बतलाया कि रात्रि में सोने के पहले अपने मन की सारी बातें परमात्मा से करके सो जाएं तो इससे मन का बोझ हल्का हो जाएगा और सुबह तरोताजा रहेंगे। यह बात बच्चों को बहुत पसन्द आयी।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने किया सावरकर जीवनी पुस्तक का विमोचन

शिवाजी, अहिल्या बाई, सावरकर को पाठ्यक्रम में शामिल करने डॉ. रमन ने की पहल,

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि हमने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से क्षत्रपति शिवाजी महाराज, पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्या बाई और स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर को पाठयक्रम में शामिल करने की मांग की थी। हमारे मांग पत्र को महत्व देते हुए स्पीकर ने संबंधित विभाग को अपनी ओर से अनुशंसा का पत्र भेजते हुए इस पर तत्काल प्रक्रिया शुरू करने कहा है। इसके लिए महाराष्ट्र मंडल डॉ. रमन सिंह का आभारी है।

शंकर नगर स्थित विधानसभाध्यक्ष आवास पर वीर सावरकर की जीवनी पर लिखी पुस्तक का विमोचन स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सावरकर को समझना है, तो जिन्दगी में एक बार अंडमान में जरूर जाएं और अपने जीवन को धन्य करें। आजकल के नेता दो माह जेल में रहते हैं और 15 माह न्यूज में रहते हैं। वहीं सावरकर जैसे देशभक्त आज भी राष्ट्र प्रेम की ज्योत जगा रहे हैं।

महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि स्वातंत्र्य वीर सावरकर ने राष्ट्र प्रेम समाज जागरूकता के लिए राजनीति में सुधार के लिए 1904 में अभिनव भारत की स्थापना की थी। उन्होंने इसके माध्यम से युवाओं में राष्ट्र प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाई थी। वर्तमान में भी भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं के साथ विनायक दामोदर सावरकर के विचारों को प्रसारित करने के लिए अभिनव भारत स्थापित करना चाहिए इसलिए 15 फरवरी को महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में आयोजित महापौर व पार्षदों के सम्मान समारोह में हमने मंच पर डॉ. रमन के समक्ष महापौर मीनल चौबे से रायपुर के व्यस्ततम क्षेत्र वाले चौराहे पर वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने की मांग कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि नगर निगम हमारी मांग के अनुरूप वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने के लिए यथोचित स्थान चयनित कर आगे की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाएगा।

काले ने समारोह में फिर दोहराया कि तीनों विभूतियां छत्रपति शिवाजी महाराज, लोकमाता अहिल्या बाई और वीर सावरकर आज भी प्रासंगिक हैं। इससे हमारी भावी पीढ़ी और युवाओं को काफी कुछ सीखने मिलेगा। मानववाद सोच से ओतप्रोत इनके जीवन हमारे लिए प्रेरक व अनुकरणीय हैं। इस मौके पर वीर सावरकर की जीवनी पर पुस्तक लिखने वाले और अपना पूरा जीवन विनायक दामोदर सावरकर की विचारधारा को प्रचारित करने के लिए लेखक अजय व संजय सिन्हा बिहार के पुस्तक लेखन की काले ने जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सांसद चिंतामणी महाराज, गीता दलाल, मालती मिश्रा, निरजंन पंडित, विशाखा तोफखाने वाले, सुबोध टोले, स्वयं सेवक संघ से संजय दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में चल रहा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ (सेक्रसा) द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविर का शुभारंभ हो चुका है। इस शिविर का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों, उनके परिजनों तथा स्थानीय नागरिकों को खेलों के प्रति प्रेरित करना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा एक मजबूत खेल संस्कृति का निर्माण करना है।

यह शिविर 1 मई से 15 जून तक सेक्रसा के खेल परिसर में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभागियों को तीरंदाजी, मुक्केबाजी और क्रिकेट जैसे खेलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्य अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। साथ ही, नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट (एनईआई), बिलासपुर में भी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया है, जिसमें विभिन्न खेलों और रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, मार्शल आर्ट, शतरंज, ड्राइंग, पेंटिंग और एडवांस योगा जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। यह शिविर विद्यार्थियों और युवाओं के लिए सीखने, सशक्त बनने और अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर है। सभी रेलवे कर्मचारी, उनके परिवारजन तथा नगरवासी इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं और अपने बच्चों को इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

तीन दिवसीय नि:शुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर 8 से

रायपुर। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वाधान में स्वामी परमार्थदेव के सानिध्य में तीन दिवसीय नि:शुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आयोजन सूर्या गार्डन हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फेस-1,सेजबहार रायपुर में 8 से 10 मई को किया गया है। शिविर का समय तीनो ही दिन प्रात:काल में सुबह 5 से 7 बजे तक है। प्राणायाम,आसन,ध्यानायाम व जीवन शैली पर विशेष रूप से मार्गदर्शन इस शिविर में प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर पतजंलि के चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श भी दिया जायेगा। शिविर में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है।

रायपुर नगर निगम में कल से जोनवार होगा समाधान शिविर का आयोजन

पहला शिविर जोन 2 के शहीद स्मारक भवन में होगा आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2025 के तहत नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक सभी 10 जोनों में आमजन की मांगों एवं शिकायतों से संबंधित ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किए गए। इसके बाद द्वितीय चरण में प्राप्त शिकायतों और मांगों का गुणवत्तापूर्ण समाधान तेजी से किया जा रहा है। अब सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण में रायपुर नगर निगम द्वारा 7 मई से सभी 10 जोनों में सार्वजनिक स्थलों पर जोनवार समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में अधिकारीगण आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही की जानकारी देंगे तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान करेंगे, जिससे पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें।

जोनवार समाधान शिविरों की तिथियां और स्थल निम्नानुसार हैं:

जोन 1 : 10 मई – दही हांडी मैदान, गुढियारी
जोन 2 : 7 मई – शहीद स्मारक भवन, जीई रोड
जोन 3 : 13 मई – बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर
जोन 4 : 15 मई – सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम
जोन 5 : 19 मई – डीडी नगर सामुदायिक भवन, सेक्टर-2
जोन 6 : 20 मई – शहीद संजय यादव उच्चतर माध्यमिक शाला, टिकरापारा
जोन 7 : 23 मई – पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, जीई रोड
जोन 8 : 27 मई – सामुदायिक भवन, भारत माता स्कूल के सामने, टाटीबंध
जोन 9 : 28 मई – इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कम्युनिटी हॉल, जोरा
जोन 10 : 30 मई – सामुदायिक भवन, गुरुद्वारा, देवपुरी

पारिवारिक मिलन समारोह में हास- परिहास के बीच सुमधुर गीतों से बना संगीतमय वातावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के क्षत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह में मिडिल स्कूल ग्रुप (1977) के पारिवारिक मिलन समारोह में शामिल हुए लोगों ने खूबधूम-मस्ती के साथ विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। इस मौके पर हाल ही में अपनी- अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए शौकत इकबाल, सुबोध अग्रवाल और रविंद्र ठेंगड़ी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अवतार सिंह ने पत्नी गजेंदर कौर का जन्मदिन मित्र समूह के साथ धूमधाम से मनाया।

ग्रुप के मुखिया भागचंद झाबक ने बताया कि बुक क्रिकेट में महिलाओं का उत्साह देखने के लायक रहा। रविंद्र और रचना ठेंगड़ी के माध्यम से खेले गए इस रोमाचंक मैच में महिलाओं की टीम ने पुरुषों पर 26 रनों की शानदार जीत हासिल की। महिलाओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रन बनाए। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुरुषों की टीम का पहला विकेट शून्य पर और शुरुआती तीन विकेट महज 11 रन पर गिर गए। फिर एक के बाद एक विकेट गिरते गए और पूरी टीम 125 रनों पर सिमट गई। मैच के स्कोरर सुबोध अग्रवाल रहे।

भागचंद के अनुसार निशानेबाजी में सुधीर व सरिता दुबे 12 ग्लास गिराकर विजेता रहे। पत्नी के साथ मनोहर सोनी उपविजेता रहे। शंकर व पार्वती नायडू को तीसरे स्थान से संतोष करना पडा। दूसरी ओर महिलाओं के अल्पना बेटा गेम में सरिता दुबे विनर रहीं। रनर अप उषा दुरानी और थर्ड पोजिशन पर प्राची सोनी रहीं। रोचक गेम्स के बाद सदस्यों ने कोराओके संगीत पर एक से एक सुमधुर गीत गाकर माहौल को संगीतमय बनाया। समूचे कार्यक्रम का संचालन शंकर नायडू ने और आभार प्रदर्शन रविंद्र ठेंगड़ी ने किया। दिवंगत साथी मनोज बुंदेला और कमल डागा की दिवंगत पत्नी को श्रद्धांजलि देने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कमरा नं 333 और आत्मा की चंगुल में फंसी लड़कियां, ओटीटी पर ट्रेंड कर रही दिल दहला देने वाली सीरीज

इन दिनों लोगों में हॉरर फिल्मों और सीरीज का जुनून कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। इसी बीच एक ऐसी दिल दहला देने वाली सीरीज आई है जो आपके होश उड़ा देगी। ये कहानी डर के उस साये में ले जाती है जहां हर सन्नाटा कुछ कहता है। अगर आपमें हिम्मत है तो इस वक्त ट्रेंड कर रही इस सीरीज को अकेले देखने की गलती जरूर करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर एक सीरीज इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है, जो सिर्फ डराने का काम नहीं करती, बल्कि कई गहरे सवाल भी खड़े करती है। यह सीरीज इतनी सस्पेंस और थ्रिल से भरी है कि एक बार शुरू करने के बाद आप इसे छोड़े बिना नहीं रह पाएंगे। अगर आप हॉरर ड्रामा पसंद करते हैं, तो यह सीरीज आपके वीकेंड को यादगार बना सकती है।

हॉस्टल की डरावनी दीवारों के बीच

इस सीरीज की कहानी दिल्ली के एक गर्ल्स हॉस्टल से शुरू होती है। हॉस्टल का एक पूरा फ्लोर किसी अनजाने डर के साए में है, जहां एक आत्मा का राज है। यह आत्मा हॉस्टल की किसी भी लड़की को बाहर नहीं जाने देती। कहानी में इतना तनाव और रहस्य है कि हर एपिसोड के बाद आपको अगला देखने से खुद को रोकना मुश्किल हो जाएगा। हम बात कर रहे हैं 'खौफ' नाम की सीरीज की, जो हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है और तेजी से टॉप ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल हो गई है। इस सीरीज में मोनिका पंवार, रजत कपूर, चुम दरांग, शिल्पा शुक्ला और गगन अरोड़ा जैसे शानदार कलाकार नजर आते हैं।

मधु और रूम नंबर 333

कहानी की मुख्य किरदार है मधु (मोनिका पंवार), जो ग्वालियर से अपने बीते दर्दनाक अतीत को पीछे छोड़ने के लिए दिल्ली आती है। यहां नौकरी लगने के बाद वह एक सस्ता गर्ल्स हॉस्टल ढूंढती है और उसे एक कमरा मिल जाता है। लेकिन जिस फ्लोर पर उसे कमरा मिलता है, वहां की लड़कियां उसे तुरंत छोड़ने की सलाह देती हैं। मधु उनकी बातों को नजरअंदाज करती है और फिर शुरू होता है रूम नंबर 333 का राज खुलने का सिलसिला। यह वही कमरा है जिसमें एक लड़की की रहस्यमयी मौत हुई थी। इसके बाद उस फ्लोर की लड़कियां जैसे कैद हो गई हों। मधु धीरे-धीरे हॉस्टल की अजीब गतिविधियों और रहस्यों को समझने लगती है।

शानदार रेटिंग व दमदार परफॉर्मेंस

सीरीज में रजत कपूर का किरदार भी काफी रहस्यमय है, जिसे 'डॉक्टर' कहा जाता है। उनके शरीर पर अजीब निशान हैं और इलाज का उनका तरीका बेहद अलग है। 'खौफ' को 7.6 की शानदार IMDb रेटिंग मिली है और यह भारत में दूसरे नंबर पर ट्रेंड कर रही है।

20 साल की उम्र में 34 साल के बॉलीवुड स्टार से रचाई थी शादी, लंबे समय तक झेला अकेलापन

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर ने 2015 में जब 34 साल की उम्र में 20 साल की मीरा राजपूत से शादी की, तो यह जोड़ी हर किसी के लिए चर्चा का विषय बन गई थी। दोनों की शादी ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं, खासकर इसलिए क्योंकि मीरा फिल्म इंडस्ट्री से नहीं थीं और उम्र में शाहिद से काफी छोटी थीं। अब दो बच्चों की मां बन चुकीं मीरा राजपूत ने हाल ही में अपनी शादी और शुरुआती दौर के अनुभवों को साझा किया है।

शादी के बाद हुई थी मुश्किल

मीरा ने यूट्यूब चैनल 'मोमेंट ऑफ साइलेंस' पर नैना भान और साक्षी शिवदासानी के साथ बातचीत में बताया कि शादी के बाद का समय उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि जब वह शादी के बंधन में बंधीं, तब उनकी उम्र केवल 20 साल थी। इस उम्र में जहां उनकी दोस्त पढ़ाई कर रही थीं, नए अनुभव ले रही थीं और जीवन को एक्सप्लोर कर रही थीं, वहीं मीरा एक नया शहर, नया परिवार और एक नया जीवन संभालने में जुट गईं।

दोस्तों से बातें हो गई थीं कम

मीरा ने बातचीत में कहा, हम सभी अलग-अलग बैकग्राउंड से आए थे। मेरे दोस्त और मैं अलग-अलग तरीकों से बड़े हुए थे। मैं उस समय केवल 20 साल की थी और मेरे जीवन की दिशा अचानक से बदल गई थी। कई बार मुझे लगता था कि काश मैं भी अपने दोस्तों की तरह वह सब कर पाती जो वे कर रहे थे।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शादी के बाद उनकी दोस्तों से बातचीत पहले जैसी नहीं रह गई थी। वे कहती हैं, जब आप शादी करके किसी और शहर में चले जाते हैं, आपकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। बच्चे होते हैं, परिवार होता हैज मैं उतनी बार अपने दोस्तों से बात नहीं कर पाती थी जितनी पहले करती थी। वे कहते थे, 'क्या हुआ? अब तुम शादी कर ली है तो हमें भूल गई हो।' लेकिन उस समय मैं सच में बहुत उलझी हुई थी।

हालांकि मीरा ने यह भी कहा कि समय के साथ उनकी दोस्ती पहले जैसी हो गई है, क्योंकि अब उनके दोस्त भी जीवन के उन्हीं पड़ावों से गुजर रहे हैं। बता दें कि मीरा आज एक स्किनकेयर ब्रांड की को-फाउंडर हैं और शाहिद कपूर हाल ही में फिल्म देवा में पूजा हेगड़े के साथ नजर आए थे।

मीरा राजपूत के बारे में...

मीरा राजपूत एक भारतीय पब्लिक फिगर और एंटरप्रेन्योर हैं, जिन्हें मुख्य रूप से बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी के रूप में जाना जाता है। वह फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हैं, लेकिन अपनी सादगी और सोशल मीडिया उपस्थिति के चलते वह खूब चर्चा में रहती हैं। मीरा स्किनकेयर और वेलनेस से जुड़ी कई ब्रांड्स के साथ काम करती हैं। हाल ही में उन्होंने एक स्किनकेयर ब्रांड की को-फाउंडर के रूप में बिजनेस जगत में कदम रखा है।

तृषा के जन्मदिन पर फैंस को मिला सरप्राइज, निर्माताओं ने रोल के नाम से उठाया पर्दा

मेगास्टार चिरंजीवी की आगामी फैंटेसी फिल्म विश्वम्भरा इस साल रिलीज होगी। लेकिन रिलीज से पहले खास तृषा के 42वें जन्मदिन पर फिल्म निर्माताओं ने फिल्म विश्वम्भरा से उनके किरदार के नाम से पर्दा उठा दिया है, जो अब प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

फिल्म निर्माताओं ने विश्वम्भरा के एक्स हैंडल अकाउंट पर तृषा के जन्मदिन पर उनके किरदार के नाम से पर्दा उठा दिया है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म विश्वम्भरा से तृषा का लुक शेयर किया और साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम से भी पर्दा उठाया। इस तस्वीर में तृषा कॉपर रंग की शाइनिंग साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने लाइट ज्वैलरी पहन रखी है और साथ ही माथे पर काले रंग की बिंदी और बालों को खुला रखा है। उनके चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान बेहद शानदार दिख रही है।

विश्वम्भरा के फिल्म निर्माताओं ने आज तृषा के जन्मदिन पर खास एक तस्वीर के साथ विश्वम्भरा फिल्म से उनके किरदार का नाम शेयर किया है। फिल्म निर्माताओं ने एक्स पर लिखा, टीम विश्वम्भरा शाश्वत सौंदर्य की कामना करती है। जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उन्होंने अपने आकर्षण और प्रतिभा से अवनि में जान डाल दी है। आप जल्द ही इसे देखेंगे। मेगा मास बियॉन्ड यूनिवर्स जल्द ही सिनेमाघरों में।

फिल्म विश्वम्भरा का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी ने किया है। इस फिल्म में तृषा के अलावा चिरंजीवी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपुलेटी, ईशा चावला और आश्रिता वेमुगंती नंदूरी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एमएम कीरवानी ने तैयार किया है। फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन ने किया है। कथित तौर पर विश्वम्भरा 25 सितंबर, 2025 को रिलीज हो सकती है। हालांकि निर्माताओं की ओर से फिल्म की रिलीज की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

बिनब्याही मां बनीं नीना का डिलीवरी के बाद भी क्रिकेटर से था अफेयर

साल 1989 में नीना गुप्ता को अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। बच्चे के पिता वेस्टइंडीज के क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स थे। नीना ने विवियन से बात की, जिन्होंने उनका साथ देने की बात कही। नीना ने बच्चे को जन्म देने का फैसला किया। विवियन और नीना का रिश्ता कुछ साल चला।

जब नीना गुप्ता को पता चला कि वह प्रेग्नेंट हैं, तो वह बहुत खुश हुईं लेकिन उन्हें यह भी पता था कि आगे की राह आसान नहीं होगी। एक अकेली महिला के रूप में बच्चे को जन्म देना एक बड़ा डिसीजन था, जो इस फैक्ट से और भी मुश्किल हो गया कि बच्चे के पिता वेस्टइंडीज के क्रिकेट के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स थे, और वे उनसे नीना की शादी नहीं हुई थी। 'सच कहूं तो' के सेगमेंट में नीना ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि वह गर्भवती हैं, तो उन्हें शुरुआती खुशी का एहसास हुआ। फिर भी, वह अंतिम निर्णय लेने से पहले विवियन से बात करना चाहती थीं। जब विवियन ने कहा कि वह उनका सपोर्ट करते हैं, तो उन्हें राहत महसूस हुई। अपनी किताब में, नीना गुप्ता ने कहा कि वह विवियन रिचर्ड्स के साथ एक डिनर पर मिलीं। वे जल्दी ही घुल-मिल गए लेकिन फिर उनका संपर्क टूट गया। बाद में वे दिल्ली एयरपोर्ट पर फिर मिले और एक-दूसरे से मिलने लगे। विवियन के घर लौटने के बाद नीना प्रेग्नेंट हुईं।

नीना गुप्ता जब प्रेग्नेंट हुईं

उन्होंने किताब में लिखा, 'विवियन और मेरा अफेयर था और मैं प्रेग्नेंट हो गई। जब मुझे पता चला तो वह पहले ही घर लौट चुका था, कुछ लोगों ने मुझे अबॉर्शन करवाने की सलाह दी। दूसरों ने सिंगल पेरेंट होने के खतरों के प्रति आगाह किया। मैंने सबकी बातें सुनीं। मुझे पता है कि वे सभी बहुत चिंता में थे। लेकिन एक बार जब मैं घर वापस आई और अकेली थी, तो मैंने खुद से पूछा- तुम क्या सोचती हो? यह तुम्हें कैसा महसूस कराता है? जवाब था- मैं खुशी से झूम उठी।' नीना ने चुपचाप इस बारे में सोचा और महसूस किया कि वह प्रेग्नेंसी से वाकई खुश थीं। उन्होंने विवियन रिचर्ड्स से कहा कि उन्हें उनके बच्चे को जन्म देने में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह भी समझ में आया कि मैं अकेली नहीं थी जो इस बारे में सोच रही थी। बच्चे के पिता विवियन को भी चिंता थी। इसलिए मैंने उसे एक दिन फोन किया और उससे काफी देर तक बात की।'

नीना ने प्रेग्नेंसी पर कहा ये

नीना ने आगे कहा, 'मैंने कहा मैं प्रेग्नेंट हूं, क्या तुम्हें कोई समस्या होगी अगर मैं तुम्हारा बच्चा पैदा करूं?' विवियन खुश लग रहा था और उसने कहा कि मुझे आगे बढ़ना चाहिए। इससे मुझे भरोसा हुआ कि मैं सही काम कर रही हूं। जितना मैं इस बच्चे को चाहती थी, उतना ही मैं यह भी नहीं चाहती थी कि अगर पिता इसके लिए तैयार न हो तो मैं कैसे आगे बढ़ूं। इसलिए जब विवियन ने मेरे फैसले का समर्थन किया तो मुझे राहत मिली।'

कुछ दिन चलता रहा रिश्ता फिर खत्म

मसाबा के जन्म के बाद, विवियन रिचर्ड्स जितना हो सका, उतना इसमें शामिल रहे। वह शादीशुदा थे और क्योंकि वे अलग-अलग देशों में रहते थे, इसलिए उनका रिश्ता आसान नहीं था और समय के साथ बदल गया। उन्होंने लिखा, 'हमारा रिश्ता कुछ सालों तक चलता रहा और हमारे बीच कुछ खूबसूरत पल भी आए और कुछ बुरे पल भी आए। यह लंबी दूरी का और बहुत अलग तरह का रिश्ता था।'

रेड-2 की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश बोलीं-ये सब सपने के सच होने जैसा

2018 की हिट फिल्म रेड का सीक्वल रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है।

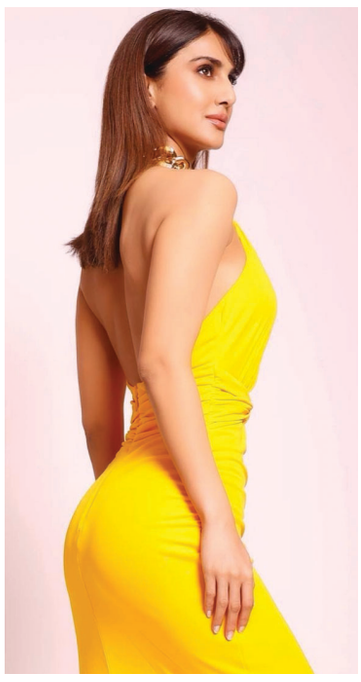

वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म रेड 2 सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं। उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

रेड टू की अभिनेत्री ने आगे कहा, अजय देवगन सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मैं एक कलाकार के तौर पर और बेहतर बन पाई हूं। फिल्म की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे मेहनत करने और लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन और वाणी कपूर के अलावा अमित सियाल, रितेश देशमुख, यशपाल शर्मा, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया पाठक लीड रोल में हैं।

मोबाइल चार्ज करने के बाद चार्जर को प्लग में लगा कर न रखें

हो सकता है खतरनाक

मोबाइल फोन या किसी अन्य डिवाइस को पूरी तरह चार्ज करने के बाद कई लोग चार्जर को आउटलेट में प्लग करके छोड़ देते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना हानिकारक नहीं होता है। हालांकि ऐसा नहीं है। यह एक ऐसी आदत है जिसमें कई रिस्क होते हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है, जैसे कि अनावश्यक बिजली की खपत से लेकर अधिक गरम होने और संभावित आग के खतरों तक। चार्जर को प्लग करके छोड़ने के परिणाम कई लोगों की समझ से कहीं ज्यादा गंभीर होते हैं। इस खबर में, आज इस खबर के माध्यम से जानें आदत से जुड़े कई गंभीर रिस्क के बारे में...

आग लगने का खतरा

आज की टेक-फोकस्ड दुनिया में, घरों में प्लग-इन फोन चार्जर एक आम दृश्य बन गया है, जिसे अक्सर तब भी चालू छोड़ दिया जाता है जब डिवाइस सक्रिय रूप से चार्ज नहीं हो रहा होता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदत खतरनाक हो सकती है। इन आदतों के कारण लोगों को आग लगने का अधिक खतरा होता है। जब आपका फोन कनेक्ट नहीं होता है, तब भी चार्जर थोड़ी मात्रा में बिजली लेता है। समय के साथ, यह निरंतर एनर्जी फ्लो चार्जर को अधिक गर्म कर सकता है। सस्ते या पुराने चार्जर में, अधिक गरम होने से चिंगारी, पिघलना या यहां तक कि आग लग सकती है।

बिजली की बर्बादी

प्लग-इन चार्जर तब भी बिजली की खपत करता है जब वह डिवाइस को चार्ज नहीं कर रहा होता है। भले ही बिजली की खपत कम मात्रा में हो रही होती है, लेकिन यह महीनों और सालों में बढ़ती जाती है। इससे एनर्जी की बर्बादी भी होती है।

चार्जर को नुकसान

बिना इस्तेमाल के लगातार बिजली मिलने से चार्जर के इंटरनल कंपाउंड तेजी से खराब हो सकते हैं। इससे चार्जर ठीक से काम भी नही करता है और कभी -कभी खराब भी हो सकता है।

बिजली के झटके

अगर अचानक बिजली का झटका लगता है (जैसे बिजली गिरने के दौरान), तो प्लग-इन चार्जर क्षतिग्रस्त हो सकता है और कुछ मामलों में, अगर इसे अनदेखा किया जाए तो यह खतरनाक भी हो सकता है।

शॉर्ट सर्किट का खतरा

प्लग-इन रहने वाले चार्जर में आंतरिक खराबी आ सकती है। इससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है, जिससे आपके घर में आग लगने या बिजली के नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए यदि आप चार्जर का उपयोग न कर रहे हों तो उसे अनप्लग करना आपके डिवाइस के लिए सुरक्षित, सस्ता और बेहतर है।

अगर आपको नहीं पता कि ज्यादा पानी वाला नारियल को कैसे चुनें?

गर्मियां आते ही नींबू पानी, गन्ने का जूस और नारियल पानी जैसे पेय पदार्थों की मांग काफी बढ़ जाती है। वहीं, इस मौसम में नारियल पानी की मांग सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि नारियल पानी में कैल्शियम, सोडियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। नारियल पानी प्यास बुझाने में मदद करता है। यह एक बेहतरीन पेय है जो शरीर को तुरंत एनर्जी देता है। नारियल पानी पीने के और भी कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

हालांकि, बाजार से खरीदे गए नारियल में अक्सर पानी कम होता है। इससे न सिर्फ पैसे खर्च होते हैं बल्कि आपका मूड भी खराब होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा कई बार हुआ है तो अगली बार बाजार से नारियल खरीदते समय कुछ तरकीबें अपनाएं। अगर आप इन टिप्स को फॉलो करेंगे तो आप पानी से भरा नारियल खरीद सकते हैं। नारियल में मलाई पसंद करने वाले लोग इन टिप्स को फॉलो करके इसे भरपूर मात्रा में खा सकते हैं।

अधिक पानी वाले नारियल खरीदने के लिए सुझाव

वजन की जांच करें

अगर आप हमेशा पानी वाले नारियल खरीदते समय ठगे जाते हैं, तो खरीदने से पहले नारियल का वजन जरूर जांच लें। ज्यादा पानी वाला नारियल हमेशा अपने आकार से अधिक भारी लगेगा। नारियल खरीदते समय हमेशा भारी नारियल ही खरीदें क्योंकि हल्के नारियल में पानी की मात्रा कम होती है।

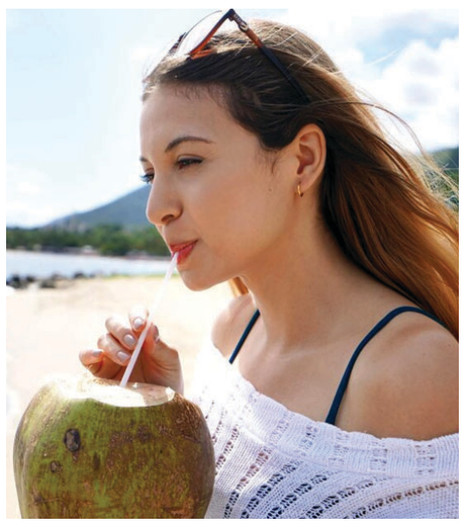

नारियल को हिलाए और आवाज सुनें

नारियल खरीदते समय पहले उसे हिलाएं। यदि आपको नारियल से पानी की आवाज सुनाई दे तो समझ लीजिए कि उसमें पर्याप्त पानी है। लेकिन यदि नारियल से कोई आवाज नहीं आ रही है, तो हो सकता है कि वह सूखा नारियल हो या उसमें थोड़ी मात्रा में पानी हो।

नारियल का रंग

नारियल जितना हरा और ताज दिखता है, उतना ही संभव है कि वह अभी-अभी पेड़ से तोड़ा गया हो। ताजे नारियल में पानी की मात्रा अधिक होती है। लेकिन अगर नारियल भूरा, पीला-हरा या हरा-भूरा है, तो उसे न खरीदें। क्योंकि इस तरह के नारियल में पानी कम और मलाई की मात्रा होती है। इसलिए खरीदते समय रंग पर ध्यान दें।

गोल नारियल

पानी से भरा नारियल खरीदने का सबसे आसान तरीका उसका आकार है। नारियल खरीदते समय हमेशा गोल आकार का नारियल ही खरीदें। क्योंकि गोल दिखने वाले नारियल में पानी ज्यादा होता है। ऐसे नारियल थोड़े कच्चे हो सकते हैं। लेकिन जैसे-जैसे नारियल पकता है, उसके अंदर का पानी क्रीम में बदल जाता है। गोल आकार के नारियल में पानी ज्यादा और क्रीम कम होती है।

आकार की जांच करें

जब नारियल का पानी क्रीम में बदलने लगता है, तो इसका आकार थोड़ा बढ़ जाता है और छिलका सख्त हो जाता है। इस प्रकार के नारियल में पानी की मात्रा कम होती है। इसलिए हमेशा बड़े आकार के नारियल के बजाय मध्यम आकार के नारियल खरीदें।

मॉ अभियानः महानदी के उद्गम से जन जागरण और जलसंरक्षण की नई शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी अब केवल एक नदी नहीं, बल्कि जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक जागरण की मिसाल बनती जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रेरणा से मोर गांव मोर पानी की अवधारणा को साकार करने हेतु शुरू किए गए मॉ अभियान की पहली कड़ी 2 मई को धमतरी जिले के नगरी-सिहावा क्षेत्र में देखी गई, जब लगभग दो हजार लोगों ने सामूहिक श्रमदान से नदी सफाई की ऐतिहासिक शुरुआत की।

महानदी के उद्गम स्थल सिहावा के फरसियां गांव से लेकर गणेश घाट तक फैले लगभग 14 किलोमीटर लंबे नदी क्षेत्र की सफाई कर स्थानीय लोगों ने यह दिखा दिया कि जलसंरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है। अभियान की शुरुआत फरसियां स्थित मां महामाई मंदिर में विधिवत पूजा और महानदी आरती के साथ हुई। इस दौरान मॉ अभियान के उद्देश्य, भाव और विस्तार की जानकारी वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से दी गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रस्तावित मोर गांव मोर पानी अभियान जल संकट से निपटने की दूरदर्शी पहल है। महानदी उद्गम क्षेत्र को पर्यटन के साथ जलसंरक्षण की दृष्टि से विकसित करना इसी सोच का हिस्सा है। यह प्रयास न केवल जलस्तर बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि रोजगार, सांस्कृतिक पर्यटन और ग्रामीण विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

अभियान में जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सार्वा, विधायक अंबिका मरकाम, जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू समेत स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार ने प्रशासनिक नेतृत्व के साथ जनभागीदारी को सराहा और इस पुनीत कार्य को दीर्घकालीन परियोजना के रूप में बताया।

महानदी की महिमा पर कविता पाठ, आरती, जलकलश यात्रा और शपथ कार्यक्रमों के माध्यम से इस अभियान को धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना से जोड़ा गया। गणेश घाट से कर्णेश्वर महादेव मंदिर तक महिलाओं द्वारा निकाली गई जलयात्रा ने इस अभियान को आध्यात्मिक भाव से भी जोड़ दिया। जिला प्रशासन द्वारा महानदी उद्गम स्थल के सर्वांगीण विकास की योजना तैयार की गई है। इसमें एनीकट निर्माण, घाट सौंदर्यीकरण, पीचिंग कार्य, वृक्षारोपण, मंदिर परिसर में पेयजल, चित्रकारी, सड़क विकास, ओवरहेड टैंक, साइनबोर्ड जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही धार्मिक स्थलों पर कर्मकांडों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

एसपी श्री परिहार के शब्दों में, नदियां हमारी मां हैं और इन्हें बचाने की जिम्मेदारी अब हमारी है। यह भावना ही इस अभियान की आत्मा है। छत्तीसगढ़ की महानदी अब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बनकर उभर रही है।

विष्णु के सुशासन में पोषण मिशन को मिली नई गति

कोरिया में 220 पोषण संगवारी दीदियों को मिला विशेष प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में पोषण मिशन को नई दिशा और गति मिल रही है। इसी क्रम में आज कोरिया जिले के जिला पंचायत बैकुण्ठपुर स्थित मंथन कक्ष में पोषण संगवारी दीदियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पोषण संगवारी वे प्रशिक्षित महिला कार्यकर्ता हैं जो गांव-गांव जाकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजनों तक पहुंचाती हैं। इस कार्यशाला में जिलेभर से चयनित 220 पोषण संगवारी दीदियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कम वजन वाले बच्चों की संख्या में कमी लाना और गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को संतुलित पोषण और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं दिलवाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से 'कोरिया मोदक' लड्डू पर जानकारी दी गई, जिसे स्व सहायता समूह की महिलाएं तैयार कर रही हैं। यह पोषणयुक्त लड्डू गर्भवती महिलाओं के लिए एक सशक्त आहार विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने हाल ही में पोषण अभियान के अंतर्गत हर माँ, हर बच्चा दृ स्वस्थ छत्तीसगढ़ विजन को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया है, जिसे पोषण संगवारी दीदियाँ प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर रही हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्व सहायता समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्य के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कई पोषण संगवारी दीदियों को इस अवसर पर सम्मानित कर उपहार भी प्रदान किए गए।

खास खबर

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का किया जा रहा निराकरण

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसके दूसरे चरण में प्राप्त आवेदनों का विभिन्न विभागों द्वारा निरंतर निराकरण किया जा रहा है। सभी विभागों के साथ साथ श्रम विभाग को छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत श्रमिक कार्ड के लिए कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसका श्रम विभाग द्वारा आवेदकों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों की जांच व परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों का तत्काल श्रमिक कार्ड बनाया जा रहा है। सुशासन तिहार में कोंडागांव विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गिरोला के सुशीला दीवान, ग्राम पंचायत छोटे भिरावंड निवासी सुदामा तथा डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम बनहरदी निवासी तोरण साहू ने श्रमिक कार्ड के लिए आवेदन प्रस्तुत किए थे, जिस पर श्रम विभाग कार्यालय द्वारा निराकरण की कार्यवाही करते हुए प्राप्त आवेदन एवं दस्तावेजों की जांच व परीक्षण किया गया और आवेदकों को श्रमिक कार्ड प्रदाय किया गया। इसी प्रकार श्रम संसाधन केन्द्र बड़ेराजपुर में प्रमिला नेताम का और श्रम संसाधन केन्द्र केशकाल में ग्राम पंचायत एटेकोनहाड़ी निवासी फानी मरकाम का श्रम कार्ड बनाकर दिया गया। अब तक सुशासन तिहार अंतर्गत श्रम विभाग विभाग द्वारा 70 लोगों का श्रम कार्ड के लिए पंजीयन किया जा चुका है। हितग्राहियों को श्रम कार्ड प्रदाय करने के साथ ही श्रम विभाग की संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की जा रही है। सुशासन तिहार के ओवदनों के निराकरण पर सभी हितग्राहियों द्वारा खुशी जताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाल श्रम विरोधी मुहिम में अब होगा रोजगार से पुनर्वास का समावेशः डॉ. वर्णिका शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने मंत्रालय स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र से सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बाल श्रम उन्मूलन कार्यवाही की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बाल श्रमिकों के केवल रेस्क्यू तक सीमित न रहकर उनके परिवारों के समग्र पुनर्वास पर विशेष बल दिया। डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि बाल श्रम की छापामारी के बाद प्रभावित परिवारों की आजीविका की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की विभिन्न रोजगार मूलक योजनाओं जैसे महिला कोष, वित्त विकास निगमों, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, राशन कार्ड आदि से इन परिवारों को जोड़कर एक ही डेस्क से सहायता उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जुलाई माह में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पुनर्वास के सफल प्रयासों को साझा किया जाएगा और बेहतर कार्य करने वाले जिलों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। समीक्षा बैठक में आयोग के सचिवप्रतीक खरे, अनामिका जैन, श्रम विभाग से उपायुक्त अनीता गुप्ता, महिला एवं बाल विकास संचालनालय की आईसीपीएस शाखा से श्रीमती नीलम देवांगन एवं वरिष्ठ प्रोग्राम प्रबंधक असीम दत्ता सहित सभी जिलों के महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल संरक्षण इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई व बाल कल्याण समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

योजनाओं के क्रियान्वयन को जानने का माध्यम है सुशासन तिहार : साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तीसरे चरण अंतर्गत कोरबा जिले के पाली विकासखण्ड के ग्राम मदनपुर में आयोजित समाधान शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया और प्राप्त आवेदनों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन तिहार आमजन से सीधे संवाद और योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में हम प्रदेश के किसी भी कोने में बिना पूर्व सूचना के जाएंगे, वस्तुस्थिति जानेंगे और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के हर वादे को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य निर्धारित करते हुए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की गई। महतारी वंदन योजना के माध्यम से 70 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में राशि पहुंचाकर उन्हें आर्थिक संबल दिया गया। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए पारिश्रमिक राशि 4 हजार से बढ़ाकर 5500 रुपये कर दी गई है। मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को पुन: प्रारंभ कर बुजुर्गों की आस्था को सम्मान देने की दिशा में कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि 24 अप्रैल से प्रदेश की 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। अब ग्रामीणों को बैंक तक दौड़ने की जरूरत नहीं होगी। इन सेवा केंद्रों में राशि आहरण, जाति, निवास जैसे दस्तावेजों की सुविधा भी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए नामांतरण प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब भूमि की रजिस्ट्री के साथ-साथ नामांतरण भी एक घंटे से कम समय में संपन्न हो जाएगा, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक दौड़धूप से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब पीएम आवास योजना के अंतर्गत पात्रता की शर्तों को शिथिल किया गया है। अब 5 एकड़ असिंचित या 2.5 एकड़ सिंचित भूमि वाले, दोपहिया वाहन रखने वाले और 15 हजार रुपये मासिक आय वाले हितग्राही भी योजना में पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि देश का हर गरीब परिवार पक्के मकान में रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ को भरपूर संसाधन मिल रहे हैं। डबल इंजन की सरकार होने के कारण कोरबा से पेंड्रा और धरमजयगढ़ तक नई रेललाइन सहित अनेक परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगी। समाधान शिविर में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का कोरबा आगमन पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेश भर में शिविर लगाकर नागरिकों से सीधे संवाद और समस्या-समाधान का यह अभिनव प्रयास शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में यह सरकार धरातल से जुड़ी है और बिना किसी पूर्व सूचना के दौरा कर आमजन की स्थिति स्वयं देख रही है।

सुशासन तिहार में भटगांव को मिला बड़ा तोहफा

शुरू हुआ एसडीएम लिंक कोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनहित को सर्वोपरि रखने वाली छत्तीसगढ़ सरकार की सुशासन नीति का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। सुशासन तिहार के दौरान आम नागरिकों की लंबे समय से मांग को देखते हुए, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के परिपालन में जिला प्रशासन सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा भटगांववासियों को बड़ी सौगात दी है।

अब हर गुरुवार को भटगांव तहसील कार्यालय में एसडीएम लिंक कोर्ट लगेगा, जिससे लोगों को राजस्व मामलों के लिए अब बिलाईगढ़, सारंगढ़ नहीं जाना पड़ेगा।

कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ डॉ. कन्नौजे द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बिलाईगढ़ का न्यायालय अब प्रत्येक गुरुवार को अस्थाई रूप से तहसील कार्यालय भटगांव में लगेगा। यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। इस लिंक कोर्ट से सरसींवां और भटगांव तहसील से संबंधित राजस्व, दाण्डिक और समस्त न्यायालयीन प्रकरणों की सुनवाई और त्वरित निपटारा संभव हो सकेगा। इसके जरिए प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल होंगी और न्याय के लिए आमजन की पहुंच आसान होगी।

इस निर्णय से क्षेत्र के नागरिकों में हर्ष व्याप्त है। लंबे समय से राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए लोगों को बिलाईगढ़ या सारंगढ़ जाना पड़ता था। अब स्थानीय स्तर पर ही न्यायिक कार्यवाही होने से आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। यह पहल प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण की दिशा में एक अहम कदम है, जिससे न्याय व्यवस्था और राजस्व प्रशासन दोनों को सुदृढ़ता मिलेगी। यह लिंक कोर्ट सुशासन के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। भटगांव में एसडीएम लिंक कोर्ट की शुरूआत इस बात का प्रमाण है कि सुशासन तिहार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में ठोस बदलाव लाने का माध्यम बन चुका है।

जनदर्शन में कलेक्टर ममगाईं ने सुनी आमजनों की समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में समस्त ग्रामवासी मढ़ोनार द्वारा मढ़ोनार को ग्राम पंचायत हांदावाड़ा में शामिल करने, समस्त ग्रामवासी एनमेटा द्वारा शासकीय योजनाओं के तहत् मूलभूत सुविधा प्रदाय करने, जगन्नाथ यादव उप सरपंच बागडोंगरी द्वारा पेयजल की व्यवस्था कराने, आयतुराम ग्राम किहकाड़ द्वारा पानी की समस्या होने के कारण घर के पास बोर खनन हेतु, शिवा सलाम द्वारा वारिसान प्रमाण पत्र, महेश्वरी ग्राम करलखा द्वारा पेंशन मिलने, कौशिल्याबाई ग्राम कुकड़ाझोर द्वारा आवास एवं गली में पक्की सड़क हेतु, समस्त नक्सल पिड़ित एसपीओ कॉलोनी द्वारा रोड गली 05 मीटर जमीन देने, समस्त ग्रामवासी तुरठा द्वारा सीसी सड़क बनाने, समस्त वार्डवासी बंगलापारा सिंगोड़ीतराई द्वारा शासकीय भूमि में अवैध अतिक्रमण कर मकान निर्माण कर खरीदी बिक्री के संबंध में, भूमि अधिग्रहण किये जाने का विरोध के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू-प्रशिक्षित सोलर मैकेनिकल इंजन ने ऑनर्सग्रैडयू 2025 छात्रवृत्ति पुरस्कार में शीर्ष सम्मान जीता

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारतीय छात्र नवाचार के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, डलहौजी पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 के छात्र जसेग सिंह बमराह ने प्रतिष्ठित ऑनर्सग्रैडयू 2025 स्कॉक्लरशिप जीती है और अपने आविष्कार - सोलर मेक इंजन के लिए प्रतिष्ठित बिल्ड ए बेटर फ्यूचर पुरस्कार हासिल किया है।

जसेग सिंह बमराह और उनके सलाहकार डॉ. नासिर उल रशीद, जिज्ञासा हैकाथॉन पहल के तहत निष्पादित सौर यांत्रिक इंजन परियोजना का प्रदर्शन करते हुए जिज्ञासा हैकाथॉन के तहत सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम), जम्मू के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नासिर उल रशीद के मार्गदर्शन में जसेग को दुनियाभर से हजारों प्रविष्टियों में से पांच वैश्विक विजेताओं में से एक के रूप में चुना गया है। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में स्नातक की शिक्षा के लिए 10,000 की स्कॉलरशिप के साथ आगे के विकास और स्केलिंग के लिए अतिरिक्त 5,000 का अनुदान भी दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उनकी परियोजना को इस वर्ष के विजेताओं में शीर्ष प्रौद्योगिकी की मान्यता दी गई थी। ऑनर्स ग्रेजुएशन द्वारा आयोजित, यूएस-आधारित एक गैर-लाभकारी संस्था है जो छात्र-नेतृत्व वाली स्थिरता और नवाचार परियोजनाओं की मदद के लिए बनाई गई है। ऑनर्सग्रैडयू स्कॉलरशिप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, जो दुनियाभर में सालाना केवल पांच पुरस्कार प्रदान करती है। वर्ष 2012 में कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से जसेग सूची में शीर्ष पर आने वाले पहले भारतीय और एकमात्र छात्र हैं। यह देश के लिए एक गौरव का क्षण है। इसी साल 22-23 फरवरी, 2025 को सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप महोत्सव के दौरान, जसेग ने अपना सोलर मेक इंजन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री और सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह को भेंट किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस महोत्सव में स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया अभियान के तहत जमीनी स्तर पर नवाचार के लिए भारत के बढ़ते समर्थन पर प्रकाश डाला गया, जिसे मूल रूप से 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था और डॉ. सिंह ने इसका नेतृत्व किया था।

सोलर मेक इंजन, जिसने पहले सीएसआईआर जिज्ञासा हैकथॉन 2024 जीता था, एक स्टैंडअलोन सोलर थर्मल सिस्टम है जो कंसंट्रेटेड हीट एंड पावर (सीएचपी) तकनीक पर काम करता है। यह ऊष्मा ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलने के लिए तापमान अंतर के कारण चक्रीय वायु विस्तार और संकुचन के सिद्धांतों का उपयोग करता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका कम प्रतिरोध वाला जनरेटर है, जो सीधे यांत्रिक-से-विद्युत ऊर्जा रूपांतरण के लिए विद्युत चुम्बकीय प्रेरण का उपयोग करता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

राजधानी में 34 टन एल्यूमिनियम सिल्ली जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार, एक करोड़ से ज्यादा है कीमत

रायपुर। रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 34.693 टन अवैध एल्यूमिनियम सिल्ली के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई 1584 नग सिल्ली की अनुमानित कीमत 1.39 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपियों के कब्जे से 40 लाख रुपये की 16-चक्का ट्रक भी जब्त की गई है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रावांभाठा के दुर्गा धर्मकाटा के पास खड़ा एक ट्रक संदिग्ध गतिविधियों में लगा हुआ है। सूचना पर खमतराई थाना पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने मौके पर घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा। पूछताछ में उसमें सवार व्यक्तियों ने अपना नाम संतोष महरा (मध्यप्रदेश) और मोहम्मद शाहिबे आलम (उत्तरप्रदेश) बताया। जब उनसे एल्यूमिनियम सिल्ली से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई भी कागजात पेश नहीं कर सके। पुलिस ने इस संदेह के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर धारा 35(1)(ड) बीएनएसएस और 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कटर मशीन की चपेट में आने से युवक की मौत

महासमुंद। जिले में पेड़ काटने के दौरान कटर मशीन की चपेट में आने से एक युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान ललित यादव (उम्र 30 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना बागबाहरा थाना क्षेत्र के वार्ड नं. 4 थानापारा की है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में आए तेज अंधड़ और बारिश के चलते एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया था। सोमवार को ललित यादव पेड़ को काटने के लिए कटर मशीन लेकर पहुंचा। जैसे ही उसने पेड़ काटना शुरू किया, अचानक असंतुलित होकर पेड़ की भारी डाल उस पर गिर गई। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से कटर मशीन युवक की गर्दन पर चल गई। हादसा इतना भयानक था कि ललित की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। बागबाहरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विधायक की बेटी सड़क हादसे में घायल, ठोकर मारकर फरार

सूरजपुर। सूरजपुर जिला मुख्यालय में कलेक्ट्रेट के पास एक तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह की बेटी घायल हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। फिलहाल पूरे मामले में कोतवाली पुलिस जांच में जुटी हुई है। बता दें कि एक दिन पहले बलरामपुर जिले में बेकाकू ट्रैक्टर से गिरकर भाजपा विधायक शकुंतला पोर्ते के देवर की भी मौत हो गई थी। वे खुद ट्रैक्टर चलाकर घर से खेत की ओर जा रहे थे। तभी हादसा हो गया। घटना रघुनाथनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मुढ़िया की है।

कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर IED ब्लास्ट, एसटीएफ के दो जवान घायल, बीजापुर के अस्पताल में भर्ती जवान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पिछले दो सप्ताह से जारी अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम की चपेट में आने से रविवार को विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जिले के कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ 21 अप्रैल को 'मिशन संकल्प' नामक अभियान शुरू किया गया, जिसमें लगभग 24 हजार जवान शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान रविवार को प्रेशर बम में विस्फोट होने से एसटीएफके दो जवान मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया, घायल जवानों का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया गया तथा बेहतर चिकित्सा के लिए रायपुर के अस्पताल में भेजा गया है।'' उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से अब तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान समेत कुल छह जवान घायल हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में शुरू किए गए सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियानों में से एक इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के एसटीएफ, सीआरपीएफ और कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवान समेत विभिन्न इकाइयों के जवान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान अंतरराज्यीय सीमा पर बीजापुर (छत्तीसगढ़) और मुलुगु तथा भद्राद्री-कोठागुडेम (तेलंगाना) के दोनों ओर लगभग आठ सौ वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले दुर्गम इलाके और घने जंगल में जारी है। यह स्थान राजधानी रायपुर से 450 किलोमीटर दूर है।

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अभियान अपने चरम पर पहुंच गया है और अब तक लगभग 75 प्रतिशत क्षेत्र की घेराबंदी और बारूदी सुरंगें हटा दी गई हैं। अभियान का अंतिम चरण इस सप्ताह के अंत तक समाप्त होने की संभावना है।'' उन्होंने कहा, नक्सल विरोधी अभियान का नतीजा केवल मारे गए नक्सलियों की संख्या या बरामद हथियारों की संख्या से ही तय नहीं होता। प्रतिबंधित माओवादी संगठन के कब्जे से इलाके को मुक्त कराना और स्थानीय आबादी के लिए फिर से जमीन को सुरक्षित बनाना भी अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

टेंडर के नाम पर 15 करोड़ की ठगी, ठेकेदार हुए शिकार

पत्थलगांव। छत्तीसगढ़ में बड़ी परियोजनाओं के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर पत्थलगाव के ठेकेदारों से सुरक्षा निधि के नाम पर 15 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह को पत्थलगांव पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अफ्सरों का कहना हैं कि वे इस मामले का एक - दो दिनों में खुलासा करेंगे क्योंकि ठग गिरोह के बारे में कुछ और जानकारी पुलिस को मिली है, उसका पटाक्षेप होने के बाद मीडिया के समक्ष उन्हें पेश करेंगे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरोह के सदस्कनाट प्लेस दिल्ली में अपना ऑफ्सि संचालित करता थे और उन्होंने अपने फर्जी वेबसाइट में करोड़ों की निर्माण योजनाओं के लिए टेंडर जारी कर ठेकेदारों से आवेदन मंगाए थे। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के पत्थलगांव क्षेत्र के ठेकेदारों ने भी टेंडर जमा किए। इनके द्वारा करीब 15 करोड़ रूपए सुरक्षा निधि के साथ रिश्वत के रूप में भी रकम जमा की गई थी। बाद में जांच के दौरान इनकी वेबसाइट और फर्म दोनों फर्जी होने का खुलासा हुआ इसके बाद ठेकेदारों ने इस मामले की पुलिस में शिकायत करते हुए मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने तत्काल इस पर एक्शन लेते हुए एक टीम को दिल्ली रवाना किया जहां से गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है और उन्हें कुछ और जानकारियां हासिल हुई है, उनके साक्ष्य जुटाने के बाद एक-दो दिनों में मामले का खुलासा किया जाएगा।

पशु तस्करी पर बड़ी कार्रवाई : रायगढ़ में 44 मवेशियों को तस्करों से कराया मुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मवेशियों की तस्करी को लेकर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 44 नग कृषिधन मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। एसपी दिव्यांग पटेल के दिशा निर्देशन एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन पर लैलूंगा थाना क्षेत्र में उप निरीक्षक इगेश्वर यादव, प्रभारी थाना लैलूंगा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जब पुलिस को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति जंगल के रास्ते मवेशियों को क्रूरतापूर्वक हांकते-पीटते ओडिशा के बूचड़खाने की ओर पैदल ले जा रहे हैं।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मडियाकछार मार्ग के समीप जंगल में घेराबंदी की, जहां दो युवक बड़ी संख्या में मवेशियों को बेरहमी से हांकते हुए मिले। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दिनेश राम सिदार (42 वर्ष) और ओमप्रकाश सिदार (20 वर्ष), निवासी सिंगीबहार, थाना तपकरा, जिला जशपुर (छत्तीसगढ़) बताए। दोनों आरोपियों ने मवेशियों को भूखे-प्यासे व मारते-पीटते ओडिशा के बूचड़खाने ले जाने की बात कबूल की, लेकिन मवेशियों की खरीद-बिक्री संबंधी कोई वैध दस्तावेज पुलिस को नहीं दिखा सके।

44 नग मवेशियों की अनुमानित कीमत लगभग 4.40 लाख रुपये है। तस्करों के अमानवीय कृत्य को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफअपराध क्रमांक 116/2025 के तहत छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धाराओं 6, 10, 11, 12 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक इगेश्वर यादव के साथ सहायक उप निरीक्षक हेमंत कश्यप और आरक्षक संतराम केंवट की अहम भूमिका रही।

मजदूरों के बीच हुआ खूनी संघर्ष, एक की मौत

डोंगरगढ़। कंडरापारा मोहल्ले में दोस्तों के बीच देर से उठने को लेकर विवाद के चलते एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। घटना बीती रात की है, जब भोजन कर चार दोस्त टहल रहे थे। उसमें से एक साथी ने बांस काटने के लिए सुबह जल्दी नहीं उठने को लेकर तंज कसा। यही हत्या की वजह बनी। मिली जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ के कंडरापारा मोहल्ले में संजय उईके अपने साथी मिथुन, राहुल और सतीश कुरसिंघा के साथ रात्रि भोजन के बाद टहल रहा था। इसी बीच बांस काटने के लिए सुबह 4 बजे जंगल जाने की बात को लेकर चर्चा चली। जिसमें सतीश कुरसिंघा को देर से उठने पर संजय उईके और साथियों ने तंस कस दिया। इससे भडके सतीश कुरसिंघा ने बांस की लकड़ी से सीधे सतीश उईके के गले में जोरदार वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे साथी मिथुन को भी आरोपी ने मारने की नियत से हमला किया। जिसमें मिथुन के हाथ और पैर में चोट पहुंची। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इस संबंध में डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम ने कहा कि आरोपी की तलाश की जा रही है। मामला बांस काटने के लिए सुबह उठने को लेकर हुए विवाद से जुड़ा हुआ है। इस बीच पुलिस आरोपी के संभावित ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर रही है। डोंगरगढ़ पुलिस अंदरूनी इलाकों में रहने वाले आरोपी के रिश्तेदारों से भी सवाल जवाब कर रही है।

गांव में दहशतः हाथियों का आतंक, दो लोगों को कुचलकर मारा और कई घरों की तोड़ी दीवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में घूम रहे दंतैल हाथी ने सोमवार की रात तीन मकानों को तोड़ दिया और धान खा गए। इसके बाद गन्ने की फ्सल भी चौपट कर दी। इससे ग्रामीण दहशत में हैं। इधर, कोरबा में घूम रहे 39 हाथियों ने भी सात किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है।

मरवाही से पहुंचा दंतैल हाथी अब रोज गांव में घुस रहा है। ग्राम बीजाडांड़ के इंद्रपाल सिंह मरावी के पीछे के मकान को तोड़ दिया। इसकी बाड़ी में गन्ने की फ्सल को चौपट कर दिया। इसके बाद एक टंकी भी तोड़ दी। ग्रामीणों ने किसी तरह से शोर मचाकर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा।

दंतैल ने सुखाबहरा में भी भंवर सिंह और कन्हैया के मकानों को तोड़कर धान को खा गया। यह दंतैल मरवाही से आने के बाद कुम्हारीशानी में एक युवक को कुचलकर मार डाला था। इसकी वजह से ग्रामीणों में दहशत है। कोरबा वन मंडल में भी 53 हाथी अलग-अलग घूम रहे हैं। लेमरू रेंज में घूम रहे 39 हाथियों में नकिया में सात किसानों की फसल को चौपट कर दिया। कुमुरा के गीतकुंवारी में एक दंतैल धरमजयगढ़ वन मंडल से पहुंचा है। बालकों के दुधीटांगर में अभी 13 हाथी घूम रहे हैं।

ग्रामीणों ने कहा कि मरवाही से आए हाथी ने एक युवक को मौत घाट उतार दिया। इसके बाद हाथी अकेले जंगल और गांव के आसपास विचरण कर रहा है। ऐसे में उन्हें डर बना हुआ है कि कभी भी हाथी गांव के अंदर घुस सकता है। हाथी ने तीन मकान को तोड़ दिया है। जहां किसी तरह हाथी को देख मौजूद लोग वहां से भाग खड़े हुए। तब जाकर उनकी जान बची। वहीं काफी संख्या में फसल को भी नुकसान किया है। ऐसे में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं वन विभाग लगातार हाथी पर नजर रखी हुई है। वहीं जिस क्षेत्र में हाथी विचरण कर रहा है। वहां आसपास गांव में मुनादी करा कर जंगल की ओर जाने से ग्रामीणों को रोका जा रहा है। वहीं हाथी के साथ छेड़छाड़ करने से रोका जा रहा है। ताकि हाथी हिंसक न हो जाए या फिर किसी तरह को उसको नुकसान न हो।

रिसाली में युवक की हत्या, कांच की बोतल से किया ताबड़तोड़ वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र के तहत रिसाली में युवक की हत्या कर दी गई। मामूली बात पर युवक को कांच की बोतल को फोड़कर गोदकर मार दिया गया। घटना सोमवार दोपहर बाद लगभग 3:30 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नेवई थाना प्रभारी ने बताया कि घटना रिसाली के वार्ड 31 की है। यहां तालाब के पास बिजली के पोल के पास कुछ लोग शराब पी रहे थे। इस दौरान यहीं रहने वाले मोहन ताम्रकर उर्फ मेकुरू की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है तालाब के पास पहुंचकर मोहन ताम्रकर ने शराब पीने वालों को पीने से मना किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। इस दौरान डोमेन्द्र नाम के युवक ने कांच की बोतल फेड़ी और मोहन ताम्रकर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची नेवई पुलिस मोहन ताम्रकर को अस्पताल भिजवाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके से आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर कुछ ही समय में आरोपी डोमेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया है। नेवई थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

सुपेला शास्त्री अस्पताल में बड़ी लापरवाही हुई उजागर इलाज के लिए पहुंचे मरीज को चढ़ा दी एक्सपायरी डिप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल शासकीय चिकित्सालय में इलाज के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक मरीज को एक्सपायरी डिप चढ़ा दी गई। रविवार रात को इलाज के लिए पहुंचे युवक को ड्यूटी पर तैनात स्टाफनर्स ने डॉक्टर के निर्देश पर डिप लगाई। सोमवार की सुबह जब मरीज को जलन होने लगी तो परिजनों ने डिप बोतल जांची तो वह तीन माह पहले एक्सपायरी हो चुका था। फिलहाल इस मामले में अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

मिली जानकारी के अनुसार मरीज का नाम दीपक कुमार है जो कि छावनी में अपने रिश्तेदार के घर आया हुआ था। रविवार रात दीपक की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर सुपेला अस्पताल पहुंचे। सुपेला अस्पताल में उस समय ड्यूटी पर मौजूद डॉ. मंजू राठौर ने पिस्क्रिप्शन में डेक्सट्रोज इंजेक्शन आई चढ़ाने के लिए लिखा। इसके बाद दीपक को जनरल वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। इसके बाद ड्यूटी पर मौजूद नर्स ने दवा के काउंटर से डिप को उठाया और मरीज को लगा दिया।

सुबह होने लगी जलन तो सामने आई बात

सुबह दीपक के शरीर में तेज जलन होने लगी तो उसने परिवार वालों को बताया। इसके बाद मरीज के जीजा अनिल ने डिप बॉटल की डेट चेक की तो वह तीन पहले एक्सपायर हो चुकी थी। जो डिप को दीपक को लगाया गया उसका बैच नंबर 1221910 था। मार्च 2022 में बनी है और फरवरी 2025 में एक्सपायर हो गई इसके बाद भी उसे स्टोर में रखा गया और बिना देखे मरीज को चढ़ा दिया गया। इसके बाद मरीज के परिजनों ने इसकी शिकायत ड्यूटी डॉक्टर व नर्स से की। वहीं इस मामले में अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीयाम सिंह का कहना है कि एक्सपायरी डिप चढ़ाना बड़ी लापरवाही है। अस्पताल में एक्सपायरी दवा कैसे पहुंची इसकी जांच की जाएगी। वहीं मरीज को लगाने से पहले नर्स को भी इसकी जांच करनी चाहिए थी। मामले में जांच के दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क निर्माण के स्वीकृति प्रस्ताव पर विलंब पर सीएम साय ने जताई नाराजगी, बोले लापरवाही के लिए कलेक्टर, एसपी होंगे जिम्मेदार

जांजगीर-चांपा, सक्ती एवं कोरबा जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को जांजगीर-चांपा जिले के जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में तीन जिलों जांजगीर-चांपा, सक्ती एवं कोरबा में संचालित शासकीय योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने बीते वित्तीय वर्ष में बजट में जांजगीर-चांपा जिले में स्वीकृत सड़कों की मंजूरी में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्राथमिकता के आधार पर तत्काल प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनहित के कामों में लापरवाही के लिए कलेक्टर, एसपी जिम्मेदार होंगे।

मुख्यमंत्री साय राज्य सरकार के सुशासन तिहार के तीसरे चरण के शुरूआत के पहले दिन आज सक्ती, कोरबा जिले के भ्रमण के बाद जांजगीर-चांपा पहुंचे थे। जहां उन्होंने तीनों जिलों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ प्रदेश में सुशासन स्थापित करने का काम कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार के दो चरण पूर्ण होने के बाद तीसरा चरण की शुरुआत आज से हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में अच्छा काम हुए हैं लेकिन इनकी गति और गुणवत्ता और बढ़ाने की जरूरत है। कलेक्टर, एसपी और अच्छा काम करें। अधिकारी ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण इलाकों का दौरा करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आम जनता और जनप्रतिनिधियों से सौहाद्र पूर्ण बर्ताव करें। उन्होंने अधिकारियों को पूरे समर्पण के साथ ईमानदारी से अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करने को कहा। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि जनहित के कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिले में इसके लिए सीधे कलेक्टर और एसपी जिम्मेदार होंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने ग्रामीण बस सुविधा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी कलेक्टरों को जिलेवार रूट निर्धारण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीणों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी पहल है। मुख्यमंत्री ने संस्थागत प्रसव, सिकलसेल स्क्रीनिंग तथा जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्र सत्र प्रारंभ होते ही वितरित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने राजस्व रिकॉर्ड, स्वामित्व योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना इत्यादि की प्रगति की समीक्षा करते हुए हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य को जेनेरिक दवाइयों के उपयोग हेतु जागरूक किया जाए एवं चिकित्सकों को मरीजों को जेनेरिक दवाएं लिखने हेतु प्रेरित किया जाए, जिससे जनऔषधि केन्द्रों से रियायती दर पर दवाएं प्राप्त की जा सकें। कृषि विभाग को फसल चक्र परिवर्तन के तहत मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए उन्होंने खाद-बीज भंडारण एवं वितरण की तैयारी की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत 47 हजार आवासों की धीमी प्रगति पर भी मुख्यमंत्री ने चिंता जताई। अधिकारियों द्वारा राजमिस्त्री एवं सेंटरिंग टीमों की कमी को प्रमुख कारण बताया गया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण युवाओं को मिस्त्री का प्रशिक्षण देकर इस समस्या का समाधान निकालने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना अंतर्गत निःशुल्क रेत आपूर्ति की व्यवस्था पहले से की गई है, जिसमें हितग्राहियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त परिवार में विवाहित पुत्रों के नाम पर जमीन नहीं होने पर आवास स्वीकृति में बाधा आ रही है। ऐसी स्थिति में पिता मात्र 5 सौ रुपए का दानपत्र लिख दे तो, इसका लाभ मिल सकता है।

बैठक में वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने पंजीयन विभाग द्वारा आरंभ की गई 10 नवीन जनहितकारी सुविधाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए विशेष तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन कर अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक संवाद बनाए रखें और छत्तीसगढ़ के समावेशी एवं विकसित भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करें। बैठक में सांसद कमलेश जांगडे, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, बिलासपुर संभाग के संभागायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक, तीनों जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ब्राम्हण समाज ने किया है ज्ञान और संस्कार देने का कार्य : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के डंगनिया में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान परशुराम मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ब्राम्हण समाज ने सदैव समाज को ज्ञान और संस्कार देने का कार्य किया है। उन्होंने भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सभी को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छठवें अवतार हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है और प्रभु श्रीराम हमारे भाँचा हैं। रामलला मंदिर निर्माण छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए गौरव और आस्था का विषय है। 'श्रीरामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत अब तक 22,000 श्रद्धालु अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना भी प्रारंभ की गई है, जिसमें श्रद्धालु सरकारी व्यय पर विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है, जिसे धान का कटोरा कहा जाता है और 44 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जा रही है। हमारी सरकार ने 31 मार्च 2026 तक राज्य को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त कराने का संकल्प लिया है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने विकास के लिए एक सशक्त 'विजन डॉक्यूमेंट' तैयार किया है और नई औद्योगिक नीति लागू की गई है। डिजिटलीकरण के माध्यम से भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण किया जा रहा है, और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के '2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, हम 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में ब्राम्हण समाज की भागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ वर्ष के अल्पकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारा है।

चाहे वह प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर देने की बात हो या किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य दिलाना—हमने हर वर्ग की भलाई के लिए काम किया है। बस्तर और सरगुजा में जनजातीय समाज के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा तेंदूपत्ता की खरीदी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में प्रक्रियाओं, संस्थाओं और क्रियाओं के शुद्धिकरण का कार्य जारी है।

राज्य निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। कौशल उन्नयन, पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएससी में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच चल रही है, और कई दोषी जेल की सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि ब्राम्हण समाज एक प्रगतिशील समाज है, जिसने हमेशा विमर्श और विचारों का स्वागत किया है।

इस अवसर पर महंत वेदप्रकाशाचार्य, विधायक मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, सुशांत शुक्ला, रायपुर महापौर मीनल चौबे, बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, साहित्य अकादमी अध्यक्ष शशांक शर्मा, श्रीमती सुमन अशोक पांडेय, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील ब्राम्हण समाज अध्यक्ष शिवांजल शिव गोविंद शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का बीहड़ गांवों में जनसंवाद सुशासन तिहार में सुनी जन समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नेतृत्व में शुरू किए गए सुशासन तिहार 2025 के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर जिले के ओड़गी ब्लॉक के दूरस्थ और बीहड़ गांवों में पहुंची। श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम दूधो, बिलासपुर, भकुरा और माढ़र सहित कई पंचायतों में जन चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करें, लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम दूधो में पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग को शीघ्र जल आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। वहीं बिलासपुर पंचायत में राशन कार्ड निर्माण में अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर उन्होंने सख्त नाराजगी जताई और दोषियों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री ने नामांतरण और फौती नामांतरण मामलों में ग्राम पटवारी की गड़बड़ी पर तहसीलदार को तुरंत जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। ग्राम पंचायत भकुरा और माढ़र के ग्रामीणों ने सड़क, राशन, आवास और पेंशन जैसी बुनियादी समस्याएं रखीं, जिन पर श्रीमती राजवाड़े ने प्रत्येक विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता को तत्काल राहत दी जाए।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल मरापो, जनपद सदस्य गीता सिंह, अनीता पैकरा, सरपंच कंवल प्रसाद, उपसरपंच नारायण दत्त और चितावन राजवाड़े सहित वन, कृषि, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

युवा शक्ति से होगा 'विकसित भारत' का निर्माणः मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं के कौशल विकास को लेकर किए 4 महत्वपूर्ण एमओयू, खुलेंगे रोज़गार के नए द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में नीति-राज्य कार्यशाला श्रृंखला के राज्य समर्थन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ में युवाओं, महिलाओं और जनजातीय समुदायों के लिए कौशल विकास, रोजगार और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने विषय पर आधारित कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कार्यशाला बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप बेहद प्रासंगिक है। भारत एक युवा देश है और यदि युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण मिले, तो हम 'विकसित भारत' के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर सकते हैं। इस मौके पर राज्य के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आज चार महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि 2047 तक छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए युवाओं, महिलाओं और जनजातीय वर्ग को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने नीति आयोग की आकांक्षी जिलों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे जनजातीय क्षेत्रों में बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य समर्थन मिशन के बेहतर क्रियान्वयन से प्रदेश के युवाओं, महिलाओं और जनजातिय समुदाय के आजीविका के लिए प्रशिक्षण से रोजगार के नये अवसर शुलभ होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़कर उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार वर्ष 2013 से कौशल विकास को तीव्रता से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लाइवलीहुड कॉलेज, आईटीआई और महिला स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के साथ समझौते की जानकारी देते हुए कहा कि इसके तहत राज्य के युवाओं को ट्रैक्टर निर्माण की आधुनिक तकनीक सिखाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से बस्तर और सरगुजा अंचल के ग्रामीण युवाओं तथा उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, मैकेनिक जैसे कौशलों की भारी मांग है, लेकिन कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता कम है। सरकार इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने के लिए व्यापक योजना तैयार कर रही है। साथ ही उन्होंने महुआ, इमली, साल जैसे वन उत्पादों से मूल्यवर्धन कर स्थानीय लोगों की आजीविका को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आगामी योजनाओं में बस्तर और सरगुजा अंचल के आदिवासी युवाओं को विशेष कोर्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रशिक्षण केंद्र खोलने की भी तैयारी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न बड़ी कंपनियों से एमओयू कर निवेश और रोजगार के अवसर लाने की दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्किल और इंडस्ट्री को जोड़ना जरूरी है। जब दोनों साथ होंगे तब रोजगार की संभावना अधिक रहेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योग (जैसे कृषि, फल-फलियाँ, हस्तशिल्प) में युवाओं को प्रशिक्षित कर नए रोजगार सृजन पर बल दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में अब माओवाद का प्रभाव घट रहा है और हम युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही ई-हब की शुरुआत करेगी, जहां नवाचार करने वाले युवाओं को प्रोटोटाइप, फंडिंग और मार्केटिंग की सुविधा मिलेगी।

कार्यशाला को कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा सचिव एस. भारती दासन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं के लिए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 4.83 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2.66 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार भी मिला है। नीति आयोग की प्रोग्राम निदेशक डॉ. सोनिया पंत ने कहा कि नीति आयोग का 'राज्य समर्थन मिशन' राज्यों को उनकी आर्थिक व सामाजिक विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में वन-आधारित आजीविका कार्यक्रमों को मजबूत करने पर ज़ोर दिया और कहा कि इससे आदिवासी समुदाय की आय में वृद्धि होगी। डॉ. पंत ने बताया कि राज्य-स्तरीय योजनाओं में जनजातीय युवाओं की भागीदारी बढ़ाने एवं उन्हें नई तकनीक और कौशल से जोड़ने पर नीति आयोग हर सम्भव मदद करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार के सीईओ विजय दयाराम के. सहित विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में युवा, महिला और जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कौशल विकास के लिए 4 महत्वपूर्ण एमओयू

राज्य के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आज चार महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। पहला एमओयू तकनीकी शिक्षा छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं नन्दी फाउंडेशन के बीच हुआ। इस एम.ओ.यू. का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित युवाओं की रोज़गार योग्यताओं को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम उन्हें आवश्यक कौशल प्रदान करके उनके आजीविका के साधनों और आर्थिक सुरक्षा में सुधार लाने का प्रयास करता है। इसी तरह दूसरा एमओयू कौशल विकास प्राधिकरण एवं महेन्द्रा एंड महेन्द्रा के बीच हुआ, इस एम.ओ.यू. के अंतर्गत दंतेवाड़ा, बलरामपुर और कोंडागांव जिलों में स्थित लाइवलीहुड कॉलेजों में ट्रैक्टर मैकेनिक पाठ्यक्रम में अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का संचालन रायपुर स्थित स्टेट प्रोजेक्ट लाइवलीहुड कॉलेज सोसायटी द्वारा किया जाएगा। तीसरा एमओयू उच्च शिक्षा विभाग और नैसकॉम के बीच हुआ, इस समझौते का उद्देश्य कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें जॉब सीकर से जॉब प्रोवाइडर के रूप में विकसित करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को इंडस्ट्री रेडी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसी प्रकार उच्च शिक्षा विभाग और नन्दी फाउंडेशन हैदराबाद के बीच चौथा समझौता हुआ, इस एम.ओ.यू. के तहत महाविद्यालयों के छात्रों को रोजगार परक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें कुशल और आत्मनिर्भर युवा के रूप में तैयार किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950